सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*"समय से बड़ा शिक्षक आज तक कोई नहीं बना,
और कठिनाइयों से बड़ा प्रशिक्षण कहीं नहीं मिला।
किताबें सिर्फ रास्ते बताती हैं, लेकिन ठोकरें इंसान को चलना सिखाती है...!!"*
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-125 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 25 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

10 दिन में चौथी बार महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल, 25 मई से बढ़े दाम

पेट्रोल 2 .61 रुपए, डीजल 2 .71 रुपए प्रति लीटर महंगा ; जनता की जेब पर बढ़ा बोझ

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। 25 मई 2026, रविवार सुबह 6 बजे से पेट्रोल 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल 2.71 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। 10 दिन में पेट्रोल-डीजल के दामों में यह चौथा इजाफा है। लगातार बढ़ती कीमतों से आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ता जा रहा है।

चार महानगरों में नई दरें

कीमतों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 97.34 रुपए और डीजल 90.12 रुपए प्रति लीटर हो गया है। मुंबई में पेट्रोल 105.78 रुपए और डीजल 94.56 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 106.44 रुपए और डीजल 93.28 रुपए, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 103.12 रुपए और डीजल 94.89 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पेट्रोल 101.84 रुपए और डीजल 94.77 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है।

10 दिन में चौथी बार बढ़े दाम

तेल कंपनियों ने 16 मई, 19 मई और 22 मई को भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे। इसके पहले भी पेट्रोलियम कीमतों में लगातार वृद्धि होती रही है। लगातार हो रही बढ़ोतरी से परिवहन लागत बढ़ने की आशंका है, जिसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी पड़ सकता है।

कीमत तय करने का सिस्टम

पेट्रोल-डीजल की कीमतें हर दिन सुबह 6 बजे अपडेट की जाती हैं। घरेलू दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर-रुपया विनिमय दर, केंद्र-राज्य के टैक्स और डीलर कमीशन पर निर्भर करते हैं।

लगातार बढ़ रहे ईंधन के दामों से वाहन चालकों, ट्रांसपोटर्रों और आम उपभोक्ताओं में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि महंगाई के बीच बार-बार हो रही यह बढ़ोतरी घर का बजट बिगाड़ रही है।

तीसरी बार पेट्रोल-डीजल महंगा करना जनता पर अत्याचार : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने 10 दिन में तीसरी बार डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ाने को जनता पर अत्याचार बताया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार लगातार दाम बढ़ा रही है और 20 रुपए तक बढ़ोतरी की तैयारी में है, जिसके लिए कृत्रिम संकट पैदा किया गया है। बैज ने कहा कि ताजा बढ़ोतरी में पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे महंगा हुआ है। इससे पहले 3 .30 रुपए और 95 पैसे की बढ़ोतरी हो चुकी है। इस तरह कुल करीब 5 रुपए की बढ़ोतरी की जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को दाम बढ़ाना था, इसलिए पहले कमी का ड्रामा किया गया।

प्रधानमंत्री की अपील से अफरा-तफरी

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अदूरदर्शी अपील के कारण देश में पेट्रोल-डीजल को लेकर अफरा-तफरी का माहौल बना। लोगों में संकट के भय से पेट्रोल पंपों पर लाइन लग गई। आज भी शहरों के आउटर में डीजल नहीं मिल रहा और अब धीरे-धीरे दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

मेलोडी के नीचे दबा रहे महंगाई-बेरोजगारी

दीपक बैज ने कहा कि बढ़ती महंगाई, डीजल-पेट्रोल की कमी और देश में फैली बेरोजगारी को भाजपा और प्रधानमंत्री मेलोडी के नीचे दबाना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यजनक है कि प्रधानमंत्री विदेश दौरे से पहले जनता को पेट्रोल-डीजल बचाने, सोना न खरीदने और बचत की नसीहत देते हैं। लेकिन विदेश जाकर महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक नीतियों पर चर्चा के बजाय मेलोडी भेंट कर रहे हैं, जो दिखाता है कि उन्हें देश की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी से देश नहीं संभल रहा है।

हीरापुर में आधी रात बमबारी महिला के घर पर हुआ हमला

पुरानी रंजिश में सोनू पटेल गैंग का आरोप, नकाबपोश युवतियां भी शामिल ; पुलिस जांच में जुटी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर के वीर सावरकर नगर, हीरापुर में शनिवार आधी रात एक घर पर बम फेंककर हमला किया गया। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते सोनू पटेल और उसके साथियों ने रिंकू तिवारी के घर पर बमबारी की और चाकू लहराकर दहशत फैलाई। गैंग में कई नकाबपोश युवतियों के भी शामिल होने की बात सामने आई है।

पुरानी रंजिश बनी वजह

रिंकू तिवारी ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे शुभम तिवारी और आरोपी सोनू पटेल के परिवार के बीच लंबे समय से विवाद है। करीब छह महीने पहले शुभम पर सोनू की नाबालिग बहन से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। इस मामले में शुभम जेल भी गया था और फिलहाल बेल पर बाहर है। इसी विवाद के चलते दोनों परिवारों में तनाव बढ़ता जा रहा था।

रात 12 बजे हुआ हमला

घटना रात करीब 12 बजे की है। रिंकू तिवारी के मुताबिक सोनू पटेल अपने साथियों के साथ घर पहुंचा और अचानक बम फेंक दिया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों में दहशत फैल गई। इसके बाद आरोपी और उसके साथी घर के बाहर चाकू लहराकर धमकाने लगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलावरों में कुछ नकाबपोश लड़कियां भी थीं, जो वारदात के बाद मौके से भाग गईं।

FIR दर्ज, CCTV खंगाल रही पुलिस

सूचना पर कबीर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रिंकू तिवारी की शिकायत पर सोनू पटेल और उसके साथियों के खिलाफ बमबारी, धमकी समेत गंभीर धाराओं में FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हनीट्रैप केस : जेल में हुई दोस्ती से बना ब्लैकमेलिंग का नेटवर्क, कारोबारी-नेता-अफसर निशाने पर

नई दृष्टिबिंदु / 0000

इंदौर के चर्चित हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग मामले में पुलिस जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, एक बड़े संगठित नेटवर्क की परतें खुल रही हैं। जेल में हुई दोस्ती से शुरू हुआ यह खेल नेताओं, कारोबारियों और अफसरों तक फैला नजर आ रहा है। क्राइम ब्रांच को आशंका है कि बदनामी के डर से कई हाईप्रोफाइल लोग सामने नहीं आ रहे।

जेल में मिलीं, बाहर आकर बनाया गैंग: पुलिस सूत्रों के मुताबिक पूरे नेटवर्क की जड़ें 2019 के चर्चित हनीट्रैप मामले से जुड़ती हैं। मुख्य आरोपी श्वेता विजय जैन ने पूछताछ में बताया कि जेल में उसकी मुलाकात शराब तस्करी के मामले में बंद अलका दीक्षित से हुई थी। जेल से बाहर आने के बाद दोनों लगातार संपर्क में रहीं और कथित तौर पर नेता, कारोबारी और रसूखदार लोगों को टारगेट करना शुरू किया।

फंसाओ और वसूली करो मॉडल : क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि गैंग फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करता था। पहले संपर्क, फिर नजदीकी, फिर रिकॉर्डिंग और बाद में मोटी रकम की मांग की जाती थी। शराब कारोबारी हितेंद्र सिंह चौहान उर्फ चिंटू ठाकुर से एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आने के बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। पुलिस का दावा है कि गैंग करीब दो साल से सक्रिय था।

5 आरोपी रिमांड पर, भाजपा नेत्री भी गिरफ्तार : मंगलवार को पुलिस ने श्वेता जैन, अलका दीक्षित, जयदीप दीक्षित, लाखन चौधरी और जितेंद्र पुरोहित को कोर्ट में पेश किया। अदालत ने सभी को छह दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। जांच में सागर की भाजपा नेत्री रेशु चौधरी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक रेशु कथित तौर पर नेताओं-अफसरों के आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग नेटवर्क का हिस्सा थी और श्वेता की करीबी बताई जा रही है।

खुद को भाजपा पदाधिकारी बताता था लाखन : पुलिस के अनुसार खंडवा-पीथमपुर निवासी लाखन चौधरी खुद को भाजपा पदाधिकारी बताता था। वह प्रॉपर्टी कारोबार की आड़ में लोगों से संपर्क कर संभावित शिकार तलाशता था। पहले भरोसा बनाया जाता, फिर जाल बिछाया जाता था।

इंटेलिजेंस के प्रधान आरक्षक पर भी आरोप : जांच में पुलिस इंटेलिजेंस शाखा में पदस्थ प्रधान आरक्षक विनोद शर्मा का नाम भी सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक चिंटू ठाकुर को फंसाने के बाद अलका ने विनोद से सलाह ली थी और कारोबारी की फोटो भी भेजी थी। पूछताछ में विनोद ने अलका से संपर्क की बात स्वीकार की है। पुलिस को शक है कि वह आरोपियों को ब्लैकमेलिंग के तरीके बता रहा था।

कथित मीडियाकर्मी भी शामिल : देवास निवासी जितेंद्र पुरोहित खुद को मीडियाकर्मी बताता था। पुलिस को शक है कि वह अलका को पीड़ितों से रकम वसूलने के तरीके बताता था और षड्यंत्र में शामिल था।

DIG का वीडियो होने की चर्चा : सूत्रों के हवाले से जांच में छत्तीसगढ़ के एक उच्च स्तर के अधिकारी का कथित वीडियो होने की चर्चा भी सामने आई है। पुलिस इस मामले में इंटेलिजेंस शाखा के प्रधान आरक्षक और अन्य संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

मोबाइल-चैट-बैंक ट्रांजैक्शन खंगाल रही पुलिस : क्राइम ब्रांच अब आरोपियों के मोबाइल फोन, चैट, सोशल मीडिया कनेक्शन और बैंक लेनदेन की जांच कर रही है। पुलिस को आशंका है कि आने वाले दिनों में कई हाईप्रोफाइल नाम सामने आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार कई कारोबारी और राजनीतिक लोग गैंग के संपर्क में थे, लेकिन बदनामी के डर से शिकायत दर्ज नहीं करा रहे।

जय शक्ति आश्रम निकुम की संतश्री माताजी की तबीयत बिगड़ी, रायपुर के रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में हुए भर्ती

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के निकुम ग्राम स्थित जय शक्ति आश्रम (तीथर्राज देवी निकुंभला धाम) की संस्थापक संतश्री माताजी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया है। उन्हें रायपुर के रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है।

डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा इलाज, भक्तों में चिंता

प्रमुख धार्मिक केंद्र है निकुम आश्रम

निकुम स्थित जय शक्ति आश्रम क्षेत्र का प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक केंद्र है। यह आश्रम शांति, लोक कल्याण और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए जाना जाता है। संतश्री माताजी के मार्गदर्शन में यहां समय-समय पर बड़े यज्ञ और महायज्ञ आयोजित होते रहे हैं। 'गणपति भद्रकाल्यै नमः' जैसे विशिष्ट महायज्ञ भी यहां हो चुके हैं। क्षेत्र में सुख-शांति और अकाल व सूखे से राहत के लिए आश्रम में विशेष अनुष्ठान किए जाते रहे हैं।

रूपेश देशमुख ने दी जानकारी

पूर्व जनपद सभापति एवं शिवमहापुराण कथा के मुख्य आयोजक रूपेश देशमुख ने बताया कि संतश्री माताजी को इलाज के लिए रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर में दाखिल करवाया गया है। संतश्री माताजी के अस्वस्थ होने की खबर से अनुयायियों और क्षेत्रवासियों में चिंता है। भक्त उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

पूर्व विस अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय के जन्मदिन पर कार्यक्रम की तैयारी को लेकर हुई बैठक

न्यू खुर्सीपार में वरिष्ठ भाजपा नेता मुरलीधर अग्रवाल के निवास पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय के जन्मदिन पर 9 जून को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आज न्यू खुर्सीपार में बैठक हुई।

मुरलीधर अग्रवाल के निवास पर बैठक

वरिष्ठ भाजपा नेता मुरलीधर अग्रवाल के निज निवास पर आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रूपरेखा पर चर्चा की गई।

कार्यकर्ताओं ने दिए अपने -अपने सुझाव

बैठक में मौजूद सभी सम्माननीय कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और आयोजन को लेकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जन्मदिन कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारियां भी तय की गईं।

31 निरीक्षक होने के बावजूद 9 थानों में एसआई संभाल रहे कमान, लाइन में 5 टीआई तैनात

दुर्ग जिले में पुलिस व्यवस्था बेपटरी, पुलिसिंग पर पड़ रहा असर, थानों में टीआई के बजाए एसआईसंभाल रहे थाना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग जिले की पुलिसिंग व्यवस्था में बड़ा असंतुलन सामने आया है। जिले में 30 थाने और 8 चौकियां हैं, लेकिन थानों की कमान संभालने के लिए निरीक्षक स्तर के अधिकारी नदारद हैं। स्थिति यह है कि कुल 31 निरीक्षक होने के बावजूद सिर्फ स्मृति नगर चौकी में ही टीआई को प्रभारी बनाया गया है। बाकी 29 थानों में से 9 थाने उपनिरीक्षक चला रहे हैं।

9 थानों में एसआई प्रभारी

कुम्हारी, छावनी, पुलगांव, धमधा, अंडा, जामगांव आर, रानीतराई जेवरा सिरसा और महिला थाना समेत 9 थानों में एसआई प्रभारी हैं। जबकि 5 निरीक्षक लाइन में तैनात हैं। एक टीआई को रीडर, एक को कंट्रोल रूम प्रभारी और एक को एएनटीएफ में रखा गया है।

जिले में थाने-चौकियों की स्थिति

जिले में दुर्ग, मोहन नगर, पुलगांव, पद्मनाभपुर, भिलाई नगर, भट्टी, नेवई, वैशाली नगर, सुपेला, छावनी, खुर्सीपार, जामुल, पुरानी भिलाई, कुम्हारी, धमधा, नंदनी, बोरी, अंडा, उतई, रानी तराई, पाटन, जामगांव आर, अमलेश्वर, महिला थाना, अजाक और साइबर रेंज थाना हैं।

चौकियों में स्मृति नगर, जेवरा सिरसा, अंजोरा, नगपुरा, मचांदुर, लिटीया सेमरिया, रुआ बांधा और गाड़ा डीह शामिल हैं। इनमें से रुआबांधा और गाड़ाडीह अभी शुरू नहीं हुए हैं। जेवरासिरसा और स्मृति नगर चौकियों का थाने में उन्नयन भी लंबित है।

चार ट्रैफिक थाने भी स्वीकृत

जिले में चार नए ट्रैफिक थाने भी बनाए जाने हैं। इनमें दुर्ग, सिविक सेंटर, आकाश गंगा और भिलाई तीन शामिल हैं।

अब व्यवस्था पर सवाल

31 निरीक्षक होने के बावजूद फील्ड में तैनाती कम होने से पुलिसिंग पर असर पड़ रहा है। थानों में टीआई के बजाय एसआई के प्रभारी होने से कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की निगरानी प्रभावित हो रही है। चौकियों के उन्नयन और नए ट्रैफिक थानों के लिए भी स्टाफ की व्यवस्था बड़ी चुनौती है।

भिलाई के हॉस्पिटल सेक्टर में लगा कचरे का अंबार, वार्डवासियों में आक्रोश

मेहनतकश आवास अधिकार संघ ने नगर निगम से तत्काल सफाई की मांग की, पार्षद पर निष्क्रियता का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वार्ड क्रमांक 69 हॉस्पिटल सेक्टर, भिलाई में जगह-जगह कचरे के ढेर और सफाई व्यवस्था ठप होने से वाडर्वासियों में भारी आक्रोश है। मेहनतकश आवास अधिकार संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगर निगम प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर खींचा और तत्काल राहत की मांग की है।

गंदगी-बदबू से नारकीय जीवन

संघ ने बताया कि पूरे वार्ड में सड़कों और घरों के सामने सड़े-गले कचरे का अंबार लगा है। दुर्गंध के कारण लोगों का आना-जाना दूभर हो गया है। बारिश का मौसम नजदीक होने से मच्छरों के पनपने और महामारी फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे लोगों में भय का माहौल है।

निगम की गाड़ी नहीं आती, नाली जाम

वाडर्वासियों का आरोप है कि निगम की कचरा उठाने वाली गाड़ियां नियमित रूप से नहीं आतीं। वार्ड की बड़ी नाली की सफाई नहीं होने से बरसात में क्वाटरों में पानी घुस जाता है। समय रहते नाली सफाई न होने से हर साल यही हालात बनते हैं। क्षेत्र में कोई विकास कार्य भी नजर नहीं आ रहा।

पार्षद पर उठाए सवाल

प्रेस विज्ञप्ति में वार्ड पार्षद कोमल दास टंडन की कायर्शैली पर भी सवाल उठाए गए। रहवासियों ने आरोप लगाया कि पार्षद क्षेत्र की समस्याओं के प्रति निष्क्रिय हैं और अधिकांश समय वार्ड से नदारद रहती हैं। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है।

वार्डर्वासियों की बैठक

इस मुद्दे पर वार्डवासियों की एक बड़ी बैठक हुई, जिसमें सिंदुरिया, अरुणा, नारायण राव, बबलू, सारदा, अनुसुइया, चंद्रकला, डेनियल, मिथुन, मोहन कुर्रे, प्रेम किशन, संजना, लक्ष्मी, मैरी, ब्रम्हा, नीरा, कलादास डेहरिया सहित सैकड़ों नागरिक शामिल हुए। संघ ने नगर निगम से मांग की है कि वार्ड में तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए और नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि वार्डवासियों को नारकीय जीवन से राहत मिल सके।

खास खबर

जामुल सीमेंट वर्क्स ने दुर्ग जिले के टीबी मरीजों को बांटी 100 न्यूट्रिशन किट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जामुल सीमेंट वर्क्स द्वारा आज सीएसआर स्वास्थ्य पहल के तहत दुर्ग जिले के टीबी मरीजों के लिए 100 टीबी न्यूट्रिशन किट का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य टीबी मरीजों को समुचित पोषण सहायता प्रदान कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहयोग करना और टीबी मुक्त भारत अभियान को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी की उपस्थिति में जामुल सीमेंट वर्क्स की ओर से सीएसआर प्रमुख जामिल अख्तर खान एवं उनकी टीम ने मरीजों को किट प्रदान की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एसीसी जामुल के मुख्य संयंत्र प्रबंधक महेंद्र सिंह के विशेष सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टीबी मुक्त भारत की ओर यह कदम न केवल पोषण सहयोग है, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदना और समग्र स्वास्थ्य सुरक्षा की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

कसारीडीह श्री साई मंदिर समिति चुनाव : धनेंद्र कांत चंदेल अध्यक्ष, धीरेंद्र शर्मा सचिव चुने गए

2026-30 के कार्यकाल के लिए मिला जनादेश, जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कसारीडीह, दुर्ग स्थित श्री साई मंदिर समिति के चुनाव (2026-30) में अध्यक्ष पद पर धनेंद्र कांत चंदेल और सचिव पद पर धीरेंद्र शर्मा चुने गए हैं। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देने का सिलसिला जारी है।

सौजन्य भेंट कर दी शुभकामनाएं

शनिवार को जनप्रतिनिधियों ने श्री चंदेल एवं श्री शर्मा से सौजन्य भेंट कर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान कहा गया कि नए नेतृत्व में श्री साई मंदिर समिति जनसहभागिता के नए आयाम स्थापित करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को सशक्त दिशा मिलेगी।

यशस्वी कार्यकाल की कामना

बधाई देने वालों ने ईश्वर से नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सचिव के यशस्वी कार्यकाल, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर सफलता की प्रार्थना की। मंदिर समिति के सदस्यों ने भी नए पदाधिकारियों के नेतृत्व में समिति के विकास को लेकर विश्वास जताया।

जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव भी शामिल हुए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत नगर निगम दुर्ग द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन पुराना गंजमंडी दुर्ग में किया गया। शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से जनसुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई।

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, नगर निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं एसडीएम हरवंश सिंह मिरी ने शिविर स्थल पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जनसमस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। समाधान शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। विभाग द्वारा 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व 02 बच्चों का अन्नप्रासन रस्म अदायगी की गई।

मंत्री श्री यादव ने शिविर में कसारीडीह वार्ड के आस्था स्व सहायता समूह की महिलाओं को छत्तीसगढ़ महिला कोष अन्तर्गत 03 लाख रूपए का डेमो चेक प्रदान किया गया। शिविर में किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य जाँच कराया गया। नगर निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, महिला बाल विकास एमआईसी प्रभारी श्रीमती शशि द्वारिका साहू एवं पार्षदगण के द्वारा किशोरी बालिकाओं को सैनिटरी पैड वितरण किया गया। विभाग द्वारा रेडी-टू-ईट से बने व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। शिविर में महापौर श्रीमती बाघमार ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलायी। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

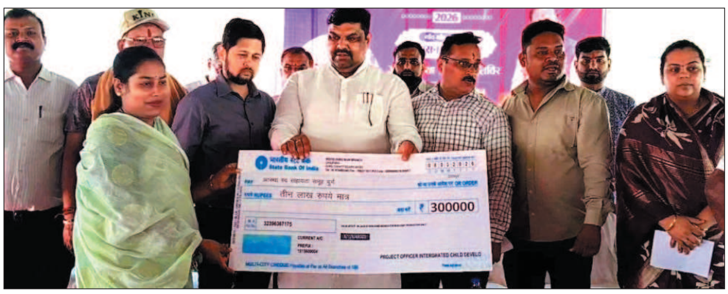

दुर्ग जिले में मोबाइल फोरेंसिक वैन सेवा का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, दुर्ग में शुक्रवार को अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव तथा सांसद विजय बघेल ने मोबाइल फोरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में विधायक ललित चन्द्राकर, विधायक देवेन्द्र यादव, खादी ग्राम उद्योग बोर्ड अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, दुर्ग संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, अपर सत्र न्यायाधीश दीपक खोसले, संयुक्त संचालक अभियोजन वी.एल. राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर एवं निगमायुक्त (बीएसपी) श्रीनिवास राव सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मोबाइल फोरेंसिक वैन के माध्यम से घटनास्थल पर तत्काल वैज्ञानिक परीक्षण एवं साक्ष्यों का सुरक्षित संकलन किया जा सकेगा, जिससे अपराधों की विवेचना अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने इसे आधुनिक अपराध अनुसंधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इससे कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि यह पहल पुलिस विभाग और फोरेंसिक विज्ञान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगी तथा न्यायिक प्रक्रिया में वैज्ञानिक साक्ष्यों की विश्वसनीयता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि मोबाइल फोरेंसिक वैन अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित है। इसके माध्यम से घटनास्थल पर प्रारंभिक वैज्ञानिक परीक्षण, साक्ष्यों का सुरक्षित संकलन एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे अपराध अनुसंधान की प्रक्रिया अधिक त्वरित और वैज्ञानिक बनेगी।

क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के प्रभारी डॉ. पंकज ताम्रकार ने कहा कि वर्तमान समय में अपराधों की प्रकृति लगातार जटिल होती जा रही है। ऐसे में वैज्ञानिक साक्ष्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. प्रज्ञा गजेंद्र एवं वैज्ञानिक अधिकारी शत्रुघ्न सिंह श्याम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभाग के राजपत्रित अधिकारी, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई आइडल 2026 : सुर संगीत संगम में कलाकारों ने बांधा समां, आर डी कोरी ने दी बधाई

सिविक सेंटर में हुई भव्य गायन प्रतियोगिता, बीएसपी प्रबंधन के कार्यों की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स समूह द्वारा "भिलाई आइडल 2026" गायन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

कलाकारों का बढ़ाया हौसला

कार्यक्रम में सेल भिलाई इस्पात संयंत्र अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति निःशक्त महिला एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन के चेयरमैन आर डी कोरी और पन्नालाल मैरिसा पहुंचे। दोनों ने सुर संगीत प्रस्तुत कर रहे कलाकारों की प्रस्तुति का आनंद लिया और उनका हौसला बढ़ाया।

बेहतर परफॉर्मेंस पर दी बधाई

आर डी कोरी ने भाग लेने वाले सभी कलाकारों से भेंट कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीएसपी प्रबंधन की प्रशंसा

कोरी ने सेल भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा इस्पात बिरादरी के हित में किए जा रहे नेक कार्यों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक और धार्मिक आयोजनों से बीएसपी का नाम पूरे भारत में रोशन हो रहा है।

सांसद विजय बघेल का जिक्र

उन्होंने बताया कि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल खिलाड़ियों और समस्त कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं।

दुर्ग पुलिस ने 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में शनिवार को दधीची सभागार, पुलिस लाइन दुर्ग में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में CG बोर्ड एवं CBSE बोर्ड के टॉप टेन विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पुलिस परिवार के मेधावी बच्चों को भी विशेष रूप से सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सफलता, अनुशासन, तनावमुक्त अध्ययन एवं सकारात्मक पारिवारिक वातावरण को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया गया। लाइफ एंड पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, सकारात्मक सोच एवं तनावमुक्त पढ़ाई के टिप्स दिए। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने, संवाद बनाए रखने तथा मोबाइल एवं टीवी से दूरी बनाकर पारिवारिक वातावरण मजबूत करने की सलाह दी।

इस अवसर पर शिक्षक आरिफ खान ने विद्यार्थियों को भविष्य की पढ़ाई एवं करियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की समस्याओं को समझने, उनकी बातों को गंभीरता से सुनने तथा उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और अन्य छात्र-छात्राएं उनसे प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एमएस चंद्रा, उप पुलिस अधीक्षक लाइन सीपी तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, विद्यार्थियों के अभिभावक, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में पुलिस लाइन दुर्ग के अधिकारी-कमेचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में दुर्ग पुलिस ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से बच्चों को सकारात्मक वातावरण देने, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने एवं शिक्षा के माध्यम से बेहतर समाज निर्माण में सहयोग करने की अपील की।

सकल जैन समाज द्वारा जिलाधीश को गृहमंत्री, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मध्य प्रदेश के रीवा में साध्वी माताजी के साथ हुई अत्यंत दुःखद एवं निंदनीय घटना, जिसमें एक असामाजिक तत्व द्वारा वाहन से कुचलकर भाग जाने के कारण साध्वी माताजी का देवलोक गमन हो गया, के विरोध में आज पूरे भारतवर्ष में जैन समाज द्वारा शांतिपूर्ण रूप से ज्ञापन सौंपे गए।

इसी क्रम में दुर्ग में सकल जैन समाज द्वारा जिलाधीश को गृहमंत्री, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में घटना की उच्च स्तरीय जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर दुर्ग नगर की प्रथम नागरिक महापौर श्रीमती अलका बागमार जी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने मौन जुलूस में शामिल होकर शांतिप्रिय जैन समाज की मांगों का समर्थन किया तथा घटना की कड़ी निंदा करते हुए अपने लेटर पैड पर उच्च स्तरीय जांच की मांग संबंधी पत्र भी जारी किया।

कार्यक्रम में दुर्ग के पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल सहित दुर्ग-भिलाई के दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन समाज के हजारों सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने शांतिपूर्ण ढंग से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए न्याय की मांग की।

जनजातीय समाज भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप - मुख्यमंत्री साय

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष पर राष्ट्रीय समागम में देशभर से जुटे हजारों जनजातीय प्रतिनिधि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में रविवार को जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक चेतना का विराट संगम देखने को मिला, जब भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम में देशभर से हजारों जनजातीय प्रतिनिधि, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता तथा पारंपरिक समुदायों के लोग एक मंच पर एकत्र हुए। जनजाति सुरक्षा मंच एवं जनजाति जागृति समिति द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री केदार कश्यप एवं रामविचार नेताम भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम स्थल पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट की। लाल किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और जनजातीय संस्कृति के विविध रंगों से सजा यह आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की मूल सांस्कृतिक चेतना और जनजातीय पहचान के संरक्षण का राष्ट्रीय संदेश बनकर उभरा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में देशभर से आए जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों और लोगों से आत्मीय मुलाकात की तथा अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप है। उन्होंने कहा कि सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए जनजातीय समाज ने प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का कार्य किया है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट और असंतुलित विकास की चुनौतियों से जूझ रही है, तब जनजातीय जीवन दर्शन मानवता को टिकाऊ और प्रकृति-सम्मत विकास का रास्ता दिखा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और संतुलन का जीवन जीता आया है तथा उनकी संस्कृति और परंपराएं भारत की अमूल्य धरोहर हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। छत्तीसगढ़ में लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है, जो केवल प्राकृतिक संपदा का प्रतीक नहीं, बल्कि जनजातीय जीवन, संस्कृति और परंपरा का जीवंत आधार भी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। भगवान बिरसा मुंडा तथा छत्तीसगढ़ के अमर शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महानायकों ने अपनी संस्कृति, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष, साहस और बलिदान का अद्वितीय इतिहास रचा है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनकी सरकार जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि आदि परब, बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजातीय प्रतिभा, परंपरा, खेलकौशल और पहचान को राष्ट्रीय मंच देने का सशक्त प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से जनजातीय समाज की सांस्कृतिक शक्ति, सामूहिकता और प्रतिभा को नई पहचान मिल रही है तथा युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा भी प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी समाज की संस्कृति उसकी भाषा से जीवित रहती है, इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सवीच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि गोंडी, हल्बी और सादरी जैसी जनजातीय भाषाओं में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा देने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है, ताकि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा, सांस्कृतिक जड़ों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी रह सके। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की पहचान, इतिहास और सामूहिक स्मृति का आधार भी होती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आगे कहा कि बस्तर से सरगुजा तक देवगुड़ी जैसे पारंपरिक आस्था केंद्रों के संरक्षण और विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना केवल परंपरा को बचाने का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने और उनकी पहचान को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। राज्य सरकार इस दिशा में संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की। लाल किला मैदान मांदर, ढोल, पारंपरिक लोकधुनों और सांस्कृतिक उत्साह से गूंजता रहा। विविध जनजातीय परंपराओं, रंगों, वेशभूषाओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों से सजा यह आयोजन देश की विविधता में एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रभावशाली प्रतीक बनकर सामने आया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का जीवन दर्शन, प्रकृति के प्रति सम्मान, सामुदायिक जीवन की भावना और सांस्कृतिक अनुशासन आधुनिक विकास मॉडल को मानवीय और संतुलित दिशा दे सकते हैं। लाल किला मैदान में आयोजित यह राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम केवल एक आयोजन बनकर सीमित नहीं रहा, बल्कि जनजातीय समाज की एकता, स्वाभिमान, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और प्रकृति-सम्मत विकास के राष्ट्रीय संकल्प का सशक्त घोष बनकर उभरा।

खास खबर

माउंट एवरेस्ट विजेता अमिता श्रीवास के स्वास्थ्य लाभ के लिए राज्य सरकार सजग : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जांजगीर-चांपा जिले की होनहार पवर्तारोही अमिता श्रीवास ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) को 22 मई 2026 को सफलतापूर्वक फतह कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अमिता ने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और अथक मेहनत से प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का नया अध्याय रचा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़ की बेटी ने विश्व की सवीच्च चोटी पर तिरंगा और हमारे प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा कि समिट के बाद बेस कैंप लौटने के दौरान अत्यधिक ऊंचाई, शून्य से लगभग 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान और ऑक्सीजन की कमी के कारण अमिता श्रीवास की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिली है। उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से रेस्क्यू कर काठमांडू स्थित नॉर्विक इंटरनेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें गंभीर फ्रॉस्टबाइट एवं हाई एल्टीट्यूड संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जानकारी मिलते ही राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अमिता श्रीवास और उनके परिवार के साथ खड़ी है तथा उनके बेहतर उपचार के लिए निरंतर संपर्क और सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अमिता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि अमिता बिटिया शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अपने घर लौटें, यही हमारी कामना है। उनका साहस, धैर्य और हौसला हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। छत्तीसगढ़ को उन पर गर्व है।

रुद्रेश्वर धाम बनेगा आस्था, संस्कृति और आधुनिक पर्यटन का नया केंद्र

रायपुर। धमतरी शहर से लगे ग्राम रुद्री स्थित प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन दृष्टि से विकसित करने के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये की समग्र कॉरिडोर परियोजना तैयार की गई है। संस्कृति एवं पर्यटन के माध्यम से प्रस्तावित यह परियोजना तीन चरणों में विकसित की जाएगी। परियोजना में पारंपरिक भारतीय मंदिर स्थापत्य शैली और आधुनिक अधोसंरचना का संतुलित समावेश किया गया है। मंदिर के मुख्य फसाड को शिखर, त्रिशूल, ॐ प्रतीक, तोरण द्वार, नंदी प्रतिमा, दीप स्तंभ एवं पत्थर आधारित पारंपरिक डिजाइन तत्वों से भव्य स्वरूप दिया जाएगा। विशेष बात यह है कि वतर्मान मंदिर संरचना को बिना क्षति पहुंचाए समग्र विकास कार्य किया जाएगा। परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु चौड़े पैदल मार्ग, विश्राम क्षेत्र, प्रसाद एवं स्मृति दुकानें, फूड कोर्ट, डिजिटल सूचना प्रणाली, स्वास्थ्य केंद्र, एआई आधारित हेल्थ चेकअप कियोस्क, स्वच्छ शौचालय तथा दिव्यांगजन-अनुकूल रैम्प व्यवस्था विकसित की जाएगी। घाट क्षेत्र को सुरक्षित स्वरूप देते हुए रेलिंग युक्त विसर्जन कुंड एवं बैठने की व्यवस्था भी बनाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत गार्डन, सांस्कृतिक मंडप, रिवर फ्रंट कॉटेज, खुला मंच एवं भविष्य में मेरीन ड्राइव विकसित करने की अवधारणा भी शामिल है।

छत्तीसगढ़ की धार्मिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध- मंत्री राजेश अग्रवाल

लक्ष्मणगढ़, शंकरपुर, कुमदेवा और सायर में मंदिर विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री तथा अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम लक्ष्मणगढ़, शंकरपुर, कुमदेवा एवं सायर में विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अचर्ना और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ संपन्न हुए इन कार्यक्रमों के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखा गया।

संस्कृति और सामाजिक एकता के केंद्र हैं मंदिर

ग्राम लक्ष्मणगढ़ में सुआहारिन मंदिर, ग्राम शंकरपुर एवं कुमदेवा में शिव मंदिर तथा ग्राम सायर में मंदिर जीर्णोद्धार कार्यो के शुभारंभ अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मंदिर हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे धार्मिक कार्य समाज में श्रद्धा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को और अधिक मजबूत करने का काम करते हैं।

धार्मिक पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

मंत्री श्री अग्रवाल ने रेखांकित किया कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक विरासत को सहेजने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंदिरों के जीर्णोद्धार और विकास से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर विकास की गति तेज होगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। धार्मिक स्थलों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों और गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनता है।

सुख-समृद्धि की मंगलकामना

कार्यक्रम के अंत में धर्मस्व मंत्री ने भगवान भोलेनाथ और क्षेत्र की आराध्य शक्तियों की पूजा कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने क्षेत्र की निरंतर उन्नति के लिए ईश्वर से आशीर्वाद भी मांगा। विभिन्न गांवों में आयोजित इन कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह था। ग्रामीणों ने मंदिर जीर्णोद्धार के इस ऐतिहासिक कार्य के लिए राज्य सरकार और मंत्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

हाइवे पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने किया नेक्स्ट जेन डायल-112 सेवा का किया औचक परीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर से कवर्धा जाते समय उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बेमेतरा के पास हाईवे में रुककर डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा की कार्यप्रणाली का औचक परीक्षण किया। सेवा की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और रिस्पॉन्स टाइम को परखने के लिए उन्होंने स्वयं डायल-112 पर कॉल कर मारपीट और सड़क दुर्घटना का पीड़ित बनकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज कराने के बाद वे नजदीक स्थित ढाबा के पास रुककर पुलिस वाहन के पहुंचने का इंतजार करते रहे। निर्धारित समय में डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद उप मुख्यमंत्री ने वाहन एवं उससे जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वाहन में उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं, संचार व्यवस्था, रिस्पांस सिस्टम तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने वाहन में लगे लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की कार्यप्रणाली सहित हेल्पलाइन की सहायता प्रक्रिया और उनके द्वारा दिए जाने वाली जानकारियों का भी निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि विगत 18 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 400 नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। नई तकनीक से लैस ये वाहन प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं की पहुंच और रिस्पांस टाइम को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस नए और उन्नत चरण के तहत संपूर्ण व्यवस्था को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और त्वरित बनाते हुए सुरक्षा मानकों और सहायता क्षमता को मजबूत करने के लिए डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्थान पहचान तकनीक को जोड़ा गया है। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस व्यवस्था में पैनिक बटन और विशेष निगरानी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं, जिससे पुलिस सहायता, एम्बुलेंस, अग्निशमन सेवा तथा महिला सहायता हेल्पलाइन को एकीकृत मंच पर उपलब्ध कराया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल और मुख्यमंत्री के बीच सामाजिक समरसता, जनकल्याण तथा छत्तीसगढ़ के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री ने भी समाज के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज के विकास, संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव कार्यशाला में वर्चुअली हुए शामिल, फॉरेंसिक वैन को दिखाई हरी झंडी

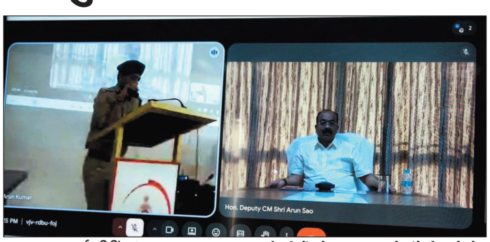

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ के सभी जिलों को अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में मुंगेली जिले को करीब 65 लाख रुपये लागत की आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्राप्त हुई है। इस वैन के तकनीकी उपयोग और अपराध अनुसंधान में इसकी भूमिका से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराने मुंगेली कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कलेक्टर जनदर्शन सभाकक्ष में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री अरुण साव नवा रायपुर स्थित मंत्रालय से इसमें वर्चुअली शामिल हुए। उन्होने हरी झंडी दिखाकर मोबाइल फॉरेंसिक वैन को जिले में सेवा हेतु रवाना किया।

अपराध अनुसंधान को मिलेगी नई दिशा

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला में ऑनलाइन जुड़े उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुंगेली जिले को मिली यह अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन कानून व्यवस्था और अपराध जांच प्रणाली को नई मजबूती प्रदान करेगी। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह वैन पुलिस को घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा देगी, जिससे अपराध अनुसंधान में तेजी आएगी और साक्ष्य संकलन अधिक प्रभावी होगा।

तकनीकी क्षमता का उठाएं पूरा लाभ

बिलासपुर रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा कि मोबाइल फॉरेंसिक वैन की तकनीकी क्षमताएं आपराधिक मामलों के त्वरित एवं वैज्ञानिक निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुंगेली पुलिस इस सुविधा का बेहतर उपयोग कर अपराधियों के खिलाफ सशक्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

निष्पक्ष न्याय में बड़ी भूमिका निभाएगी वैन

मुंगेली एसएसपी श्री भोजराम पटेल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में सभी नागरिकों के लिए न्याय समान है। उन्होंने कहा कि न्याय भेद नहीं करता और प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष न्याय मिलना उसका अधिकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मोबाइल फॉरेंसिक वैन वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष और सटीक जांच में बड़ी मददगार साबित होगी।

आधुनिक उपकरणों और तकनीकों की दी गई विस्तृत जानकारी

कार्यशाला में तकनीकी सत्र में फॉरेंसिक एक्सपर्ट सुश्री ज्योत्सना लकड़ा ने एलईडी स्क्रीन के माध्यम से पुलिस अधिकारियों और जवानों को वैन में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया, साक्ष्य सुरक्षित रखने में बरती जाने वाली सावधानियों तथा मौके पर ही प्राथमिक फॉरेंसिक जांच करने के तरीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। साथ ही बताया कि अदालत में साक्ष्यों की वैधता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक पद्धति से जांच और दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक है।

पीएम की बचत अपील का दिखा असर

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बचत संबंधी अपील को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा बिलासपुर रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने अनावश्यक खर्च से बचते हुए ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला में सहभागिता की।

कार्यशाला में मुंगेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा, उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, बार काउंसिल के अध्यक्ष राजमन सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता रविंदर सिंह छाबड़ा सहित जिले के विभिन्न थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

संपादकीय

कहने के पहले परिणाम के बारे सोचा नहीं जा रहा

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी की बहुत बात होती है इसे व्यक्ति का अधिकार माना जाता है। आजादी व अधिकार जैसे शब्दों के कारण सामान्य आदमी से लेकर बड़े बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को लगता है कि वह कभी भी,कहीं भी,किसी के प्रति भी कुछ भी कह सकते हैं। वह कहने के पहले कहने का परिणाम क्या होगा यह सोचने को तैयार नहीं होते हैं। यानी हमने जो बिना सोचेविचारे कह दिया वही ठीक है, जबकि वह ठीक नहीं होता है और बिना सोचे विचार कुछ कहने का परिणाम हम आए दिन देश व दुनिया में देखते हैं।गुस्से में कुछ भी कहने का परिणाम क्या होता है यह तो हम रोज देखते हैं।जब भी आदमी में किसी बात को लेकर गुस्सा होता है तो वह अक्सर बिना सोचे समझे कुछ कह जाता है और उस कथन का परिणाम कई बार देश को भुगतना पड़ता है। बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कई बार लगता है कि वह कोई बहुत अच्छी बात कह रहे हैं लेकिन वह अच्छी बात एक वर्ग के लिए ही अच्छी और दूसरे वर्ग के लिए बुरी हो तो इसका परिणाम देश के लिए बुरा हो सकता है।

आरक्षण के विषय में देश के बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कुछ भी कहने से पहले उसके परिणाम के बारे में जरूर सोचना चाहिए।उन्हें यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि हमने जो कहा है उससे तो अच्छा हो होगा। हमेशा ऐसा नहीं होता है,कई बार बुरा होता है और एक बड़ी आबादी को उसका परिणाम भुगतना पड़ता है।कोर्ट ने मणिपुर में आरक्षण के विषय में कुछ कहा और उस कहने का परिणाम यह है कि आज तक मणिपुर के लोग आपस में लड़ रहे हैं, सरकार वहां शांति स्थापित नहीं कर पा रही है। बांग्लादेश में आरक्षण पर कोर्ट ने कुछ कहा और बांग्लादेश में महीनों अराजकता की स्थिति रही। चुनी हुई सरकार को इस्तीफा देना पड़ा,लोगों को महीनों कई तरह की परेशानी हुई।नेपाल में युवाओं के आंदोलन के कारण पुरानी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। महीनों यहां भी अराजकता की स्थिति रही।

कोई कुछ भी अच्छे के लिए लेकिन गुस्से में जो लोग होते हैं,वह उसका कोई गलत मतलब निकाल सकते हैं फिर आप कहते रहो हमारे कहने का यह मतलब नहीं था। हमारे कहने का तो यह मतलब था लेकिन देश के नाराज लोगों को एक मौका मिल जाता है अपने गुस्से को बाहर निकालने का और इस मौके पर किसी देश में क्या कुछ हो सकता है हमने बांग्लादेश, श्रीलंका व नेपाल में देखा है। समझने की जरूरत है कि हर देश की युवा पीढ़ी में कई तरह की समस्याओं के कारण गुस्सा होता है।बेरोजगारी,भ्रष्टाचार,शासक वर्ग की ऐयाशी, आरक्षण आदि ऐसे मुद्दे होते हैं जिसके कारण युवाओं में बहुत गुस्सा होता है। उनको लगता है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है।अब एक जज साहब ने कह दिया कुछ लोग काकरोज,परजीवी होते हैं।एक जज साहब ने कह दिया कि माता पिता आईएएस हैं तो बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए।

जज साहब ने ऐसा क्यों कहा,किसके भले के लिए कहा,यह बात भुला दी जाती है और यह याद रखा जाता है कि जज साहब ने देश के युवाओं को काकरोच कहा है।यह याद रखा जाता है कि जज साहब ने आरक्षण नहीं देने को कहा है। गांव तक बात पहुंचेगी तो यह समझाया जाएगा सरकार युवाओं को काकरोच समझती है, कि सरकार आरक्षण खत्म करने वाली है और आरक्षण ऐसा संवेदनशील मुद्दा है को पूरा देश व समाज दो हिस्सों में बंट जाता है और व्यापक हिंसा व तनाव की स्थिति निर्मित होती है। पिछड़ों का आरक्षण देते वक्त देश देख चुका है कि आरक्षण देने व खत्म करने के नाम पर देश में क्या कुछ हो सकता है।देश में कई राजनीतिक दल जो चुनाव में हार जाते हैं, वह सत्ता से सरकार को हटाने के लिए युवाओं के ऐसे आंदोलन का इंतजार कर रहे हैं जैसा बांग्लादेश में हुआ,श्रीलंका में हुआ, नेपाल में हुआ। युवाओं में गुस्सा है कुछ राजनीतिक दल चाहते हैं कि इस देश के युवा भी बांग्लादेश, श्रीलंका व नेपाल के युवाओं की तरह देश को अराजकता की आग में झोंक दे।देश में अराजकता की आग न फैले इसलिए बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कुछ कहने से पहले परिणाम के बारे में जरूर सोचना चाहिए।

हर समस्या देती है सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का अवसर

डॉ. रेनु सैनी

सही मायने में मैदान पर डटे रहने में ही असली सुख है। विपरीत परिस्थितियां होने पर भी जो मैदान छोड़ने से इंकार कर देता है, तो फिर विपरीत परिस्थितियां ही उसके लिए प्रगति, खुशी और सुख की नींव रचती हैं। अगर किसी से पूछा जाए कि दुनिया में क्या चल रहा है, तो असंख्य लोग बिना सोचे-समझे बोल देंगे कि ह्यआतंकवाद, हिंसा, युद्ध, अराजकता, उन्माद और बेरोजगारी ने जीवन मुश्किल कर दिया है ह्व जब असंख्य लोगों की सोच नकारात्मक पहलुओं को लेकर एक जैसी हो जाती है, तो यह चिंता का विषय बन जाती है।

धरती पर विविध प्राणी निवास करते हैं। यह वसुधा प्राणियों के लिए एक ऐसा आंचल है, जिसकी छांव तले वे अपने परिवार के साथ जीवनयापन करते हैं। मगर जब उस आंचल पर आंच आने लगे, तो निस्संदेह डरना स्वाभाविक है। ऐसे में क्या किया जाए? क्या पूरी तरह निराश होकर बैठा जाए या फिर अंध-आशावाद में दिनों को गिना जाए? इन दोनों ही तरीकों को अपनाने से मुश्किलें बढ़ेंगी, मगर हां, इन दोनों के बीच के तरीके को अपनाकर वसुधा के आंचल को बचाया जा सकता है। वह बीच का रास्ता है मेलियोरिज्म।

मेलियोरिज्म एक ऐसा विचार है, जो कहता है कि दुनिया को मानवीय प्रयासों से बेहतर बनाया जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो मेलियोरिज्म आशावाद और निराशावाद के बीच का मार्ग है, जिससे ही दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है। जब व्यक्ति सक्रिय सुधारवाद की ओर बढ़ेगा, तो खुशियों की नदियों को हर ओर फैलाया जा सकता है।

हमारे बीच कई ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने नई सोच से मेलियोरिज्म शब्द को सार्थक कर दिया और समाज में अपनी एक अनूठी पहचान बनाई। सुनील जागलान एक ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। वे बीबीपुर गांव के सरपंच थे। वर्ष 2012 में जब उनके यहां बेटी हुई, तो अस्पताल में नर्सों ने उनकी बेटी के जन्म पर मिठाई लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ने का निर्णय कर लिया। उन्होंने सेल्फी विद डॉटर अभियान शुरू किया। उनका यह अभियान धीरे-धीरे हरियाणा के कई गांवों में फैल गया। लोगों ने महसूस किया कि सचमुच बेटियों को आगे बढ़ाने का जज़्बा उनमें भी नई उमंगें जगा देता है।

धीरे-धीरे सेल्फी विद डॉटर अभियान नए-नए रूप लेकर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा में ही एक गांव है — खेड़ा गनी। इस गांव में शिक्षित लड़कियों की नेमप्लेट उनके घर-आंगन में सजने लगी है और हर घर की पहचान वहां की लड़की के नाम से होने लगी है।

बेटी हूं बेटी बोलो अभियान ने भी लोगों को जागरूक किया। बेटियों का भी अपना अस्तित्व होता है। ऐसे में उन्हें बेटा कहकर क्यों पुकारा जाए? उनके इन अभियानों ने लोगों की सोच को बदल दिया। अब लोगों ने अपनी लड़कियों के भतेरी, काफी, अंतिम जैसे नाम भी रखने बंद कर दिए हैं। इसी तरह के छोटे प्रयास नए बदलाव की लहर लाते हैं और पुरानी कुप्रथाएं बंद हो जाती हैं। इस विचार को हर कोई अपने जीवन में उतार सकता है। उसके लिए बस स्वयं के साथ कुछ संकल्प लेने हैं, जैसे—

निरंतर प्रगति की ओर बढ़ते रहें— आज प्रत्येक व्यक्ति शॉर्टकट अपनाकर सफलता पाना चाहता है, मगर सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लगातार और रोज थोड़ा-थोड़ा प्रयास करते रहें। फिर सफलता की सीढ़ी अपने आप खड़ी होती जाती है। एक दिन व्यक्ति को विजय की सीढ़ी पर होता है।

समस्याओं को अवसर के रूप में देखें— जब व्यक्ति हर काम को समस्या मानने लग जाता है, तो वास्तव में समस्या उत्पन्न हो जाती है। समस्या अवसर का दूसरा रूप होती है। ड्यूक एलिंगटन का कहना है कि समस्या आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है। इसलिए इस अवसर को सहजता, धैर्य और विश्वास के साथ हल करें। जब एक बार आप समस्या को अवसर के रूप में देखना शुरू कर देंगे, तो फिर समस्या कभी उत्पन्न ही नहीं होगी। वह आपके पास अवसर का रूप लेकर आएगी और आपको दिन-प्रतिदिन बेहतर बनाएगी।

अक्सर कई लोग इसलिए हार मान जाते हैं क्योंकि वे कार्य करते समय पूर्ण एकाग्र नहीं होते। एकाग्रता ही सर्वश्रेष्ठ कार्य की कुंजी है। टॉम कॉनेलन अपनी पुस्तक एक प्रतिशत फॉर्मूला में कहते हैं कि शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों को अलग करने वाली चीज यह है कि वे दिन भर एकाग्र प्रयास और नियोजित स्वास्थ्य-लाभ की अवधियों का चक्र चलाते हैं।

सही मायने में मैदान पर डटे रहने में ही असली सुख है। विपरीत परिस्थितियां होने पर भी जो मैदान छोड़ने से इंकार कर देता है, तो फिर विपरीत परिस्थितियां ही उसके लिए प्रगति, खुशी और सुख की नींव रचती हैं। बस इसके लिए थोड़ा-सा अपने व्यक्तित्व को मेलियोरिज्म में ढालना होता है।

पेट्रोल-डीजल : तेल से ज्यादा खतरनाक डर का संकट

दुबे जी की दिव्य दृष्टि

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ते ही भारत में सबसे पहले जिस चीज को लेकर चिंता शुरू होती है, वह है पेट्रोल और डीजल। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। सोशल मीडिया पर अफवाहों का बाजार गर्म हुआ, पेट्रोल पंपों पर हलचल बढ़ी और लोगों ने कहीं तेल खत्म न हो जाए की आशंका में अतिरिक्त खरीदारी शुरू कर दी। हालात ऐसे बने कि छत्तीसगढ़ सरकार को आधिकारिक तौर पर सामने आकर कहना पड़ा कि राज्य में ईंधन की कोई कमी नहीं है, घबराने की जरूरत नहीं।

सरकार का यह बयान सिर्फ प्रशासनिक सफाई नहीं, बल्कि उस मनोविज्ञान की पहचान भी है जो संकट की आशंका भर से बाजार और समाज दोनों को अस्थिर कर देता है। दिलचस्प बात यह है कि सरकार को एक तरफ भरोसा दिलाना पड़ा कि टंकियां भरी हुई हैं, वहीं दूसरी तरफ ड्रम, बोतल और जेरीकेन में पेट्रोल-डीजल बेचने पर रोक भी लगानी पड़ी। यह फैसला साफ बताता है कि असली संकट ईंधन का नहीं, बल्कि पैनिक का था।

दरअसल, भारत जैसे देश में तेल सिर्फ वाहन चलाने का साधन नहीं है। यह अर्थव्यवस्था की धड़कन है। ट्रांसपोर्ट, खेती, उद्योग, अस्पताल, मोबाइल नेटवर्क से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी तक सब कुछ इससे जुड़ा है। इसलिए जैसे ही अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ता है, लोगों के मन में यह डर बैठ जाता है कि कहीं सप्लाई रुक न जाए या कीमतें अचानक आसमान न छू लें। यही डर जमाखोरी को जन्म देता है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने सही समय पर यह संदेश देने की कोशिश की कि राज्य में लगभग 4.35 करोड़ लीटर पेट्रोल और 8.15 करोड़ लीटर डीजल उपलब्ध है। साथ ही 2516 पेट्रोल पंपों और डिपो से नियमित सप्लाई जारी है। लेकिन सवाल यह है कि यदि स्थिति सामान्य है, तो फिर ड्रम और जेरीकेन में बिक्री पर प्रतिबंध क्यों लगाना पड़ा?

असल में यह प्रतिबंध प्रशासन की मजबूरी भी है और चेतावनी भी। सरकार समझती है कि अगर लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन जमा करने लगेंगे तो कृत्रिम संकट पैदा हो जाएगा। यानी तेल की कमी नहीं होगी, लेकिन पंपों पर लंबी लाइनें और खाली टैंक दिखाई देने लगेंगे। यही अफवाहों की सबसे बड़ी ताकत होती है। कई बार बाजार वास्तविक संकट से नहीं, बल्कि संभावित संकट के डर से चरमरा जाता है।

यह पहली बार नहीं है जब भारत में ऐसा माहौल बना हो। महामारी के दौरान भी लोगों ने दवाइयों, ऑक्सीजन, राशन और जरूरी वस्तुओं की जमाखोरी शुरू कर दी थी। नतीजा यह हुआ कि जिन लोगों को वास्तव में जरूरत थी, उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी। पेट्रोल-डीजल के मामले में भी यही खतरा है। अगर हर व्यक्ति अतिरिक्त भंडारण करने लगे, तो कुछ ही घंटों में वितरण व्यवस्था पर दबाव बढ़ जाएगा।

हालांकि सरकार ने किसानों, अस्पतालों, मोबाइल टावरों और शासकीय कार्यों जैसी जरूरी सेवाओं को राहत देकर संतुलन बनाने की कोशिश की है। यह जरूरी भी था, क्योंकि ईंधन का संकट सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों को प्रभावित करता है। खेती का मौसम हो, एंबुलेंस की आवाजाही हो या संचार सेवाएं, इनके लिए निर्बाध सप्लाई जरूरी है।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब भी किसी वस्तु की बिक्री पर रोक लगती है, कालाबाजारी की आशंका बढ़ जाती है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस पर सख्ती से नजर रख पाएगा? क्या पेट्रोल पंप संचालक नियमों का पालन करेंगे? और क्या सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हो पाएगा?

आज सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ ईंधन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि लोगों का भरोसा बनाए रखना है। सरकार का संदेश साफ है कि सप्लाई सामान्य है, लेकिन जनता का व्यवहार भी उतना ही जिम्मेदार होना चाहिए। क्योंकि कई बार अफवाहों का टैंक इतना भर जाता है कि वास्तविक संकट पैदा होने में देर नहीं लगती।

आखिरकार यह मामला सिर्फ पेट्रोल-डीजल का नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और सामूहिक व्यवहार का भी है। यदि लोग संयम रखें, अफवाहों से बचें और जरूरत भर ही खरीदारी करें, तो किसी भी कृत्रिम संकट से आसानी से बचा जा सकता है। वरना डर हमेशा कमी से बड़ा संकट बन जाता है।

फिलहाल छत्तीसगढ़ सरकार का संदेश बेहद सीधा और व्यावहारिक है — टंकी फुल है- बस अफवाहों को ओवरफ्लो मत होने दीजिए।

द ग्रेट गेम : अपने भू-राजनीतिक केंद्र की ओर लौटता भारत

ज्योति मल्होत्रा

भारत अपने पुराने भू-राजनीतिक केंद्र की ओर लौट रहा है। क्वाड देशों के विदेश मंत्री भारत पहुंचे हैं वहीं ब्रिक्स समिट भी यहीं होनी है। विश्व कूटनीति में यह दौर मल्टी एलाइनमेंट का है। एक साथ कई संबंध साधना व संतुलन बनाना। हालांकि इस प्रक्रिया में चुनौतियां बहुत हैं, पिछले ढंग छोड़ने से गहरी दरारें बनी व संबंध तनावपूर्ण हुए। खबरें स्वागत योग्य है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सितंबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे- खासकर क्वाड गुट के विदेश मंत्रियों की बैठक के संदर्भ में, जिसके लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री भी राजधानी पहुंचे हैं। अगले कुछ दिनों में होने वाला भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन दुर्भाग्यवश टालना पड़ा क्योंकि इबोला वायरस का खतरा फिर से सिर उठाने लगा है।

आखिरकार, भारत अपने पुराने भू-राजनीतिक केंद्र की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। शायद इसके पीछे डोनाल्ड ट्रम्प का पाकिस्तान के प्रति छिपाए न छिपने वाला लगाव, पश्चिम एशिया में युद्ध से अर्थव्यवस्था पर चोट, और अमेरिका-चीन के बीच संभावित प्रलंयकारी तनाव ही वे वजहें थीं, जिन्होंने ध्यान केंद्रित करवाया। आखिरकार यह हो रहा है – भले ही विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सिबी जॉर्ज ने एक युवा नॉर्वेजियन पत्रकार को भारत की प्राचीन सभ्यतागत विरासत पर लंबा-चौड़ा भाषण दिया हो, सिर्फ इसलिए कि उस पत्रकार ने एक ऐसा सवाल पूछ लिया था, जो उन्हें नागवार लगा। यह छोटी सी कीमत है, जो चुकानी पड़ रही है।

सच तो यह है कि शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन, लूला दा सिल्वा, सिरिल रामाफोसा और नरेंद्र मोदी – ये सभी कुछ ही महीनों में एक वार्ता कक्ष में मौजूद होंगे। ये सब चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और भारत के नेता हैं, जो ब्रिक्स संगठन के संस्थापक सदस्य हैं। क्वाड गुट के विदेश मंत्रियों की बैठक इसका संकेत है कि लंबे समय से टलता आ रहा क्वाड शिखर सम्मेलन भी जल्द ही हो सकता है। यह इस बात का पैमाना है कि चीजें कितनी बदली हैं भले ही वे पहले जैसी न हों, पिछले 12 वर्षों में, जब से प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए हैं, भारत की विदेश नीति की असली कहानी यही रही है। भारत ने अमेरिका (जिसके साथ रिश्ते आजकल जरा उतार-चढ़ाव भरे हैं), इस्राइल और यूएई के साथ दोस्ती प्रगाढ़ की है; गलवान की ठंडी-बर्फीली चोटियों पर चीन के साथ आमने-सामने की स्थिति बनी; पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, लेकिन सीमा पार से जारी आतंकवाद के लिए उसे दंडित भी किया; अपने पड़ोस के अन्य भागों (जैसे बांग्लादेश और श्रीलंका) के साथ रिश्तों को नए सिरे से गढ़ने की कोशिश की; और नीदरलैंड्स के साथ बराबर की हिस्सेदारी बनाई है। जहां तक नॉर्वे की बात है, तो हम यह जान चुके हैं कि छह अक्षरों के इस नाम में यदि वर्णमाला का 18वां अक्षर हटा दें तो बेहतर तरीके से पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं। क्योंकि भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है तो ऐसा भी नहीं है कि कोई नया अंतर्राष्ट्रीय समीकरण बनने वाला है। पिछले से पिछले हफ़्ते बीजिंग में ट्रंप का दौरा हमें बताता है कि चीन अमेरिकियों से टकराव करने से बचता रहेगा, क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वहीं, गत सप्ताह बीजिंग में पुतिन के दौरे से पता चलता है कि यूक्रेन के साथ अपने गतिरोध वाले युद्ध के चौथे साल में, और पश्चिमी देशों के छिद्र-दार प्रतिबंधों की मदद से, रूस अहम संबंधों,जैसे कि चीन और भारत, को स्थिर रखने की कोशिशें जारी रखेगा। (रूस को पता है कि अमेरिका के साथ चीन के आर्थिक रिश्ते, रूस के प्रति चीन के रवैये को सीमित रखेंगे, भले ही दोनों देश अन्य मामलों पर कितनी भी सहमति क्यों न रखते हों)।

चलिए, हम इस दौर का नाम 'नए दोस्त तलाशने और लोगों को प्रभावित करना' रख देते हैं- यहां तक कि वे समाज के उच्च वर्ग यानी संभ्रांत तबके के लोग भी जो देशों को चलाने का काम करते हैं, वे भी उस भावना को समझते हैं जो 'बहु-संबद्धता' में निहित है। यह दुनिया की हकीकतों से मुंह मोड़ना नहीं, जैसा कि 'गुटनिरपेक्षता' में था, बल्कि यह दुनिया से और भी ज़्यादा जुड़ाव है। अब जबकि भारत अपनी आजादी के 80वें साल में प्रवेश कर रहा है, उसे यह बात समझ आ गई कि एक क्षेत्रीय शक्ति के तौर पर, जिसे अपनी परिस्थितियों का सर्वोत्तम उपयोग करना है, उसके लिए बहु-संबंध बनाना ही सबसे उपयुक्त रास्ता है।

ऐसा नहीं कि भारत ने अपनी बात खुलकर नहीं कही, तब भी जब पूर्व सोवियत संघ के साथ उसके संबंध गठबंधन जैसे थे। जब 1958 में बोरिस पेस्टरनाक को उनकी किताब 'डॉक्टर ज़िवैगो' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, तो जवाहरलाल नेहरू ही थे जिन्होंने लेखक को स्वीडन जाकर मेडल लेने की अनुमति दिलवाने में अगुवाई की थी। (हालांकि सोवियत संघ ने उनकी भी नहीं सुनी)।

ऐसे और भी कई उदाहरण याद आते हैं। इंदिरा गांधी द्वारा मुस्कुरा कर जवाब देने से लेकर – जो उन्होंने एक अमेरिकी पत्रकार को दिया था जब उसने पूछा कि भारत 'वामपंथी' है या 'दक्षिणपंथी' –जिस पर उन्होंने कहाः हम तो सीधे खड़े हैं- अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा वर्ष 2000 में बिल क्लिंटन को भारत आने का निमंत्रण देने तक, जबकि दो साल पहले ही अमेरिका ने भारत के परमाणु परीक्षणों के कारण उस पर प्रतिबंध लगा रखे थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत में पांच शानदार दिन बिताए; वे जहां भी गए, उनका जोरदार स्वागत हुआ (जबकि पाकिस्तान में उन्होंने कड़े सुरक्षा घेरे में महज पांच घंटे बिताए)। उन्होंने भारत में इतना आनंद लिया कि फिर इससे कोई फर्क ही नहीं पड़ा कि किसने किसे सजा दी थी और किसने किसको माफ किया। यही कारण है कि कोट-टेल स्कूल ऑफ डिप्लोमेसी (किसी शक्तिशाली देश की छत्रछाया में रहकर लाभ उठाने की कूटनीति)-जैसा जापान और आसियान देश बीते कई दशक से कर रहे हैं-भारत के संदर्भ में कारगर नहीं हो सकते। यह देश इतना विशाल, अलग, विविध व जटिल है कि इसे किसी एक तय ढांचे में फि ट नहीं किया जा सकता। यही वजह कि उत्तर प्रदेश में लागू की गई एक ज़िला, एक व्यंजन नीति-जिसमें एक भी व्यंजन मांसाहारी नहीं-बाकी जगह असफल होना तय है। अपनी भोजन नीति को कुछ विस्तार देते हुए,भाजपा ने यह बात समझ ली है कि जिन उत्तर भारतीय राज्यों में उसकी सरकारें हैं, वहां लागू किए गए 'गोमांस प्रतिबंधों' को वह पूर्वोत्तर भारत में अपने सहयोगी दलों पर थोप नहीं सकती।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का अपने मूल भू-राजनीतिक केंद्र की ओर लौटना स्वागत योग्य कदम है। चुनौतियां बहुत बड़ी हैं, क्योंकि इस भटकाव के कारण कुछ मुल्कों से दरारें और गहरी हो गईं, कुछ के साथ रिश्तों में खिंचाव आया, और कुछ संबंध तो पूरी तरह टूट गए। यह भी उतना ही सच है कि इस भटकाव ने हमें एक कीमती सबक सिखाया हैः भरोसा करो, लेकिन सत्यापना जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक नेता दत्तात्रेय होसाबले ने प्रधानमंत्री मोदी से पाकिस्तान के साथ रिश्ते सामान्य करने की जो अपील की है – यह कहकर कि अपनी सीमाएं स्थिर रखें और चौकस रहें – यह नीति भरोसा करो, लेकिन सत्यापना जरूरी है सिद्धांत का एक जरूरी हिस्सा है, जो सवर्कालिक महागुरु चाणक्य ने पहली बार दिया था (वाजपेयी और मनमोहन सिंह की तरह, 1980 के दशक की शुरुआत में देंग शियाओपिंग की विदेश नीति का पहला काम सीमाओं को स्थिर करना ही था; इन भद्रपुरुषों ने यह बात अच्छी तरह समझ ली थी कि शांत आस-पड़ोस देश में अंदरूनी शांति रखने का सूत्र है)।

ब्रिक्स और क्वाड, दोनों का फिर से सक्रिय होना अच्छा संकेत है, क्योंकि ये दोनों ही स्थिरता के केंद्र हैं। बांग्लादेश में एक राजनीतिक खिलाड़ी को भेजना, इसी सोच का विस्तार है। सोनिया गांधी के मायके, इटली के साथ रिश्तों को और मधुर बनाना,महान इतालवी दार्शनिक मैक्यावली की सोच के अनुरूप एक छोटा सा संकेत था।

अब, अपनी अंदरूनी व्यवस्था दुरुस्त करने के कठिन काम को पुनः शुरू करना होगा। सिबी जॉर्ज को केरल की यात्रा पर भेजा जाये- जिसका सारा खर्च सरकार उठाए- ताकि वे पुनः यह समझ सकें कि कैसे सीरियन ईसाई, मोपला मुसलमान और मालाबार के हिंदू नायर जैसे अलग-अलग समुदाय, एक ही कहानी समान नजरिए से देखते हैं, इस दिशा में एक अच्छी शुरुआत साबित हो सकती है।

मातृभाषाओं में ज्ञान का अक्षय भंडार

सुरेन्द्र दुबे

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। इसकी सभी भाषाएँ समर्थ और सशक्त है तथा संवाद के माध्यम के साथ भारतीय संस्कृति की वाहक भी है राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 में मातृभाषा एवं भारतीय भाषा को विशेष महत्त्व दिया गया है। आज देश में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा के साथ-साथ भारतीय भाषा पुनः केन्द्रीय बिन्दु बनकर उभरी है। सी.बी.एस.ई. ने जो त्रिभाषा सूत्र दिया है वह आने वाली पीढ़ी के लिएज्ञान काअगाध स्रोत खोलने वाला है।

इसके अनुसार विद्यार्थियों को कक्षा 10 तक कम से कम दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाएँ पढ़ाने का निर्णय स्वागत योग्य है। इस ऐतिहासिक पहल से भारतीय भाषाओं की सामर्थ्य का उपयोग तो होगा ही साथ भारत की बहुभाषिकता को भी बल मिलेगा। इसके अन्तर्गत R-1 के रूप में विद्यार्थी प्रारंभ से घर की भाषा/मातृभाषा की शिक्षा ग्रहण करेगा, R-2 के रूप में दूसरी भाषा (दोनों में कमसेकम एक Native to India होगी) और R-3 के रूप में कक्षा छः से R-1 और R-2 केअतिरिक्त एक अन्य भाषा (देशी/ विदेशी) पढ़ेगा। कक्षा-1से10तकR-1, R-2 और R-3 पढ़ना होगा। यह त्रिभाषा प्रणाली सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाली है। यहन केवल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, बल्कि 1968 और 1986 की शिक्षा नीतियों की भावना और सुझावों को भी समाहित करती है।

सी.बी.एस.ई. द्वारा वर्तमान शैक्षणिक सत्र से इस प्रणाली को लागूकरना राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 की मूल भाषा विषयक अवधारणा के अनुरूप है। इसके अंतर्गत विद्यार्थी को किन्हीं दो भारतीय भाषाओं सहित एक अन्य भाषा (देशी/ विदेशी) पढ़ना होगा। इस निर्णय को अनावश्यक विवाद का विषय बनाना संकुचित और पूर्वाग्रहयुक्त मानसिकता का द्योतक है। इससे शिक्षा जगत में कुंडली मार कर बैठे अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों को चिन्ता हो रही है, क्योंकि इसका असर उनके व्यापार पर पड़ेगा। शिक्षा व्यापार नहीं है, यह भारत के भविष्य को रचने का माध्यम है जो भारतीय भाषाओं से हीसंभवहै।

सभी भारतीय भाषाएँ परस्पर पूरक और अन्तः क्रियात्मक है और इनमें ज्ञान परंपरा की भी आवाजाही होती रही है। देश में विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ लुप्त हो गई हैं और अनेक लुप्तप्राय हैं, उनमें छिपे ज्ञान के भण्डार को प्रकाश में लाना हमारा दायित्वहै। अतः यहनिर्णय अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही भाषाओं को भी प्रासंगिक बनाने का एक सुन्दर अवसर है, अपनी भाषा में उत्कृष्ट और गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने की व्यवस्था है। इसलिए यह निर्णय ऐतिहासिक और स्वागत योग्य है।

(लेखक हिन्दी के जाने माने साहित्यकार, और संप्रति केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष हैं)

आपके लिए हानिकारक होते हैं केमिकल में पकाए हुए फल

दूध और हरी सब्जियों के अलावा फल भी हमारी सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। सेब, अनार, केला, संतरा और पपीता ऐसे फल हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अगर आप सप्ताह में दो दिन किसी भी फल का सेवन करते हैं, तो आप बीमारियों से बचे रहने के साथ आपकी इम्युनिटी भी बढ़ती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि नेचुरल तरीके से पके फल ही आपकी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। केमिकल में पकाए हुए फल आपके लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ऐसे में आपको पहचान होनी चाहिए कि जो फल आप खा रहे हैं, कहीं वे किसी केमिकल में तो नहीं पकाए गए हैं।

- केमिकल्स से पके फलों को पहचानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आपको उस फल पर हरे पैचेज देखने को मिलेंगे। जिस हिस्से पर केमिकल लगा होगा, वे पीला रहेगा बाकी बीच-बीच में हरा दिखाई देगा, जबकि प्राकृतिक रूप से पके हुए फल में हरे-पीले रंग के कोई पैचेज नहीं दिखाई देंगे।
- केमिकल से पकाए हुए आम को काटने पर वे अंदर से कहीं पर पीला तो कहीं पर सफेद रंग का नजर आएगा। जबकि पेड़ पर प्राकृतिक रूप से पका हुआ फल पूरी तरह पीला नजर आता है।
- केमिकल से पके हुए फल का छिलका ज्यादा पका हुआ होगा लेकिन अंदर से इसमें कच्चापन हो सकता है।
- केमिकलयुक्त फल खाने पर मुंह का स्वाद कसैला हो जाता है और मुंह में हल्की जलन भी होने लगती है। इसके अलावा कई बार ऐसे फल खाने के कुछ देर बाद पेट दर्द या उल्टी की समस्या या डायरिया की शिकायत भी हो सकती है।

रखें सावधानियां

- आपको बाजार से लाकर फल को और भी अच्छी तरह धो लेना चाहिए। फल खरीदकर लाने के तुरंत बाद उसे पानी से अच्छी तरह धो लें।
- खाने से पहले आम को गुनगुने पानी में कम से कम 5 मिनट के लिए भिगोकर जरूर रखें। उसके बाद उन्हें दोबारा दूसरे पानी से धोकर ही खाएं।

ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से पड़ सकता है कार्डियक अरेस्ट

शरीर की पांच इंद्रियों में से एक सूंघने की शक्ति है। कुछ चीजों की गंध नाक और दिमाग को बहुत पसंद आती है। फूल, गीली मिट्टी से शुरू होकर यह ड्योडरेंट, परफ्यूम, पेंट, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल, मिट्टी का तेल तक जा सकती है। मगर क्या आप जानते हैं कि ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से कार्डियक अरेस्ट पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक डॉनकेस्टर में रहने वाले 12 साल के लड़के को कथित तौर पर पसीना रोकने वाला डयोडरेंट सूंघना भारी पड़ गया। वह सोशल मीडिया पर चल रहा ट्रेंड फॉलो कर रहा था, जिसमें ड्योडरेंट की कैन से पदार्थ सीधा सूंघना था। इंटरनेट पर चल रहे इस ट्रेंड को काफी फैन्सी नाम दिया गया है। इस ट्रेंडल को क्रोमिंग कहते हैं। इसमें ड्योडरेंट, हेयरस्प्रे, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल आदि को सूंघना होता है। इस इंटरनेट स्लैंग का जन्म ऑस्ट्रेलिया में माना जाता है। जिसका शरीर पर खतरनाक असर हो सकता है और जान जा सकती है।

लड़के को आया कार्डियक अरेस्ट

रिपोर्ट में पीड़ित की मां ने बताया कि पदार्थ सूंघने के बाद उसे जमीन पर दौरे आ रहे थे। उसे तुरंत सीपीआर दिया गया और एंबुलेंस को बुलाया गया। अस्पताल में पहुंचकर और दौरे पड़े और कोमा की स्थिति में पहुंच गया।

क्रोमिंग कैसे करते हैं?

द रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल मेलबर्न के मुताबिक क्रोमिंग का असली मतलब क्रोम-बेस्ड पेंट को सूंघना था। मगर समय के साथ यह बदल गया है और इसमें नशा करने के लिए खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करना भी जुड़ गया है। इसमें लोग कपड़े पर पदार्थ डालकर या सीधा कंटेनर से उसे भारी मात्रा में सूंघते हैं।

इन चीजों से होती है क्रोमिंग

- पेट्रोल या मिट्टी का तेल या उससे बनी चीजें
- पेंट थिनर, स्प्रे पेंट, परमानेंट मार्कर
- नेल पोलिश रिमूवर
- हेयरस्प्रे, ड्योडरेंट, लाइटर फ्लूइड, आदि
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- सिरदर्द, चक्कर आना
- धड़कन तेज होना, टैकिडाइस्रिदमिया
- दौरे पड़ना
- डिस्पोनिया
- डिमेंशिया, एटेक्सिया
- कार्डियक अरेस्ट, आदि

कैसे पड़ता है कार्डियक अरेस्ट का अटैक

कार्डियक अरेस्ट दिल से जुड़ा अटैक है। इसमें दिल अचानक से धड़कना बंद कर देता है। इसकी वजह से दिमाग को ताजा और ऑक्सीजन से भरपूर खून नहीं मिला पाता और बेहोशी या मौत हो सकती है। इस स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

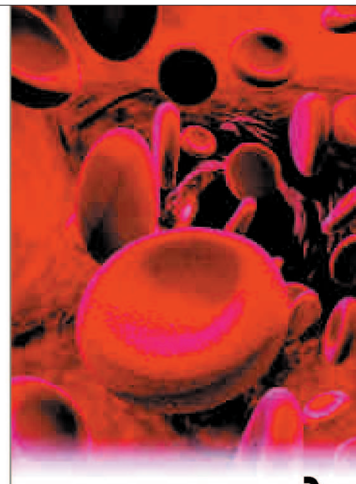

खानपान के माध्यम से आसानी से बढ़ाएं प्लेटलेट्स

एक स्वस्थ शरीर की निशानी है शरीर में प्लेटलेट्स की सही मात्रा होना एवं उनका सही तरीके से काम करना। लेकिन प्लेटलेट्स की कमी होने का नुकसान आपके शरीर एवं स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। अपने खानपान के माध्यम से आप आसानी से प्लेटलेट्स की संख्या में इजाफा कर सकते हैं।

- प्रोटीन, विटामिन ए, सी, के, फोलेट, जिंक, फोलिक एसिड, सेलेनियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना, प्लेटलेट्स में वृद्धि करने में कारगर उपाय साबित होगा।
- अपनी डाइट में दही, आंवला, लहसुन, ग्रीन टी के साथ ही नारियल पानी और अनार, पपीता, सेब, चुकंदर जैसे फलों को भी शामिल करें साथ ही पपीते के पत्तों का रस पीना भी एक लाभप्रद उपाय है।
- रोजाना एलोवेरा का सेवन भी इसके लिए फायदेमंद है। 20 से 25 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन एलोवेरा का गुदा खाएं या फिर इसका जूस बनाकर पिएं।
- व्हीटग्रास यानि ज्वारों का उपयोग भी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में काफी मददगार है। रोजाना सुबह खाली पेट ज्वारे का रस निकालकर पीने से धीरे-धरे प्लेटलेट्स की संख्या में इजॉफा होगा।
- गिलोय का प्रयोग भी इसके लिए एक रामबाण उपाय है। गिलोय को तुलसी के साथ मिलाकर दोनों को अच्छी तरह उबालें और काढ़ा तैयार करें। इस काढ़े का रोजाना प्रयोग लाभदायक होगा।

आम तौर पर खून की कमी को एनीमिया के रूप में देखा जाता है। आयरन की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। छोटे बच्चों, महिला खिलाड़ियों, सर्जरी या एक्सीडेंट के मरीजों में एनीमिया का खतरा अधिक होता है।
वहीं महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले रक्तस्त्राव एवं गर्भावस्था के कारण यह समस्या हो सकती है।

रक्ताल्पता से बचने के आसान टिप्स

- एनीमिया की समस्या से बचने के लिए, रेड मीट, सी-फूड और अंडा फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो सोयाबीन, मटर, सूखे मेवे और एप्रिकॉट आपके लिए बेहतर विकल्प है।
- ताजी हरी सब्जियों के साथ मक्का और अलग-अलग तरह की दालों को अपने भोजन में शामिल करें। इससे शरीर में आयरन की कमी नहीं होगी, जो एनीमिया का प्रमुख कारण है।
- नाश्ते और खाने में फलों को शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी, शरीर में आयरन को सोखने में एवं उसकी क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।
- चाय या कॉफी को ज्यादा कड़क करके न पिएं, इससे शरीर को आयरन को सोखने में कठिनाई होती है ।
- बगैर डॉक्टर की सलाह के, आयरन की गोलियों का सेवन बिल्कुल न करें। खून की जांच और डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इनका सेवन करें, क्योंकि शरीर में आयरन की अधिकता आपके लिए मुसीबत बन सकता है।

स्किन एलर्जी से परेशान लोग

अपनाएं ये घरेलू उपाय

घरेलू उपचार हमेशा से ही भारतीय घरों का हिस्सा रहे हैं। यदि पेट में दर्द हो या फिर कहीं चोट-खरोंच लग गई हो, घर वाले डॉक्टर के जाने से पहले घरेलू नुस्खे आजमाने की नसीहत देंगे। इन घरेलू उपचारों में काफी दम होता है, इसलिए यह स्किन में होने वाली छोटी-मोटी एलर्जी को भी ठीक कर सकते हैं। स्किन एलर्जी आज-कल हर किसी के लिए समस्या बनी हुई है। कभी किसी खाने के चलते तो कभी किसी क्रीम या कॉस्मेटिक के चलते स्किन पर रैशेज, पिंपल और खुजली की समस्या होने लगती है, जो कई बार चेहरे और शरीर पर कई तरह के निशान भी छोड़ जाती है। स्किन एलर्जी फूड एलर्जी से काफी अलग होती है और काफी परेशान भी करती है। स्किन एलर्जी में कई बार शरीर में दाने, या फिर हल्के लाल धब्बे आने लगते हैं। स्किन एलर्जी खासकर तब होती है, जब कोई इरिटेंट या फिर एलर्जी आपकी त्वचा के संपर्क में आती है और आपका इम्यून सिस्टम उन्हें रोकने के लिए एंटीबॉडी रिलीज करती है। कई बार यह एलर्जी सामान्य तो कभी गंभीर हो सकती है। अगर आप भी त्वचा की एलर्जी के लक्षण खुद में नजर आ रहे हैं, तो तुरंत राहत पाने के लिए आप इन घरेलू उपायों को अपना सकते हैं-

नारियल का तेल

नारियल का तेल स्किनकेयर के लिए सबसे बेहतरीन तेल है। इसमें मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो एलर्जी होने की स्थिति में यह त्वचा को सुरक्षित करता है। यही नहीं, नारियल का तेल एलर्जी के कारण होने वाली खुजली को भी कम करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में थोड़ा सा नारियल तेल लें और इसे 5 सेकेंड के लिए थोड़ा गर्म करें। फिर इस गर्म तेल को उस जगह पर लगाएं, जहां आपको एलर्जी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। याद रहे इसे एलर्जी वाले जगह पर लगाकर छोड़ दें, मालिश न करें। इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें। आप नारियल तेल का इस्तेमाल 3-4 घंटों के बाद फिर कर सकते हैं। इससे स्किन एलर्जी से छुटकारा मिलेगा।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर को सामान्य तौर पर लोग वजन कम करने और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए करते हैं। लेकिन, यह सिर्फ वजन कम करने या डायजेशन को ठीक करने में ही नहीं, बल्कि शानदार स्किनकेयर एजेंट भी है। इसमें एसिटिक एसिड होता है जो त्वचा में होने वाली खुजली और एलर्जी के प्रभाव को कम ककरात है। हालांकि, सेंसेटिव स्किन पर इसके इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप गर्म पानी में एक टेबलस्पून एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। अब कॉटन की हेल्प से इस मिश्रण को इफेक्टिव एरिया में लगाएं। अब इसे सूखा होने के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। स्किन एलर्जी से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम दो बार ऐसा कर सकते हैं।

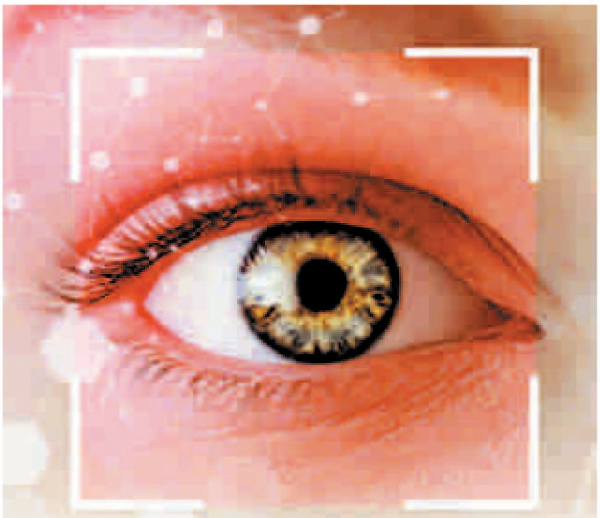

आंखों में ताजगी भरकर शरीर को बनाएं एनर्जेटिक

लंबे समय तक काम करने, मोबाइल पर व्यस्त रहने या टीवी देखने के कारण भी आंखों में थकान हो जाती है। इस कारण पूरे चेहरे का नूर गायब हो जाता है। साथ ही आप मानसिक रूप से भी थका हुआ अनुभव करने लगते हैं। यहां बताए गए तरीकों से आंखों में ताजगी भरकर आप पूरे शरीर को एनर्जेटिक बनासकते हैं.

आपके शरीर पर थकान का सबसे पहला असर आपकी आंखों पर दिखता है। आंखें इतनी अधिक संवेदनशील होती हैं कि आप शारीरिक और मानसिक तौर पर कैसा अनुभव कर रहे हैं, इसकी साफ-साफ झलक आपकी आंखों में देखी जा सकती है। थकान होने पर आंखों के चारों तरफ काले घेरे अधिक डार्क हो जाते हैं और आंखों की चमक फीकी पड़ जाती है। यहां जानें इस स्थिति में किस तरह आंखों में तुरंत चमक बढ़ाई जा सकती है और थकान को दूर किया जा सकता है.

आंखों की थकान दूर करने का सबसे आसान तरीका

- बोझिल आंखों में नई जान फूंककर फिर से चमक बढ़ानी है तो अपने दोनों हाथों की हथेलियों को आपस में रगड़ें।
- थेली रगड़ने की शुरुआत धीमी गति से करें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ा दें। जब हथेलियां पूरी तरह गर्माहट देने लगें तो धीमी गति के साथ ही इन्हें रगड़ना बंद करें और अपनी आंखों पर 30 सेकंड्स के लिए रख लें।
- एक समय पर आप दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं आपको बहुत अधिक लाभ मिलेगा। क्योंकि हथेलियों को रगड़ने से एक्युप्रेशर पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।
- हथेलियों की गर्माहट से आंखों का तनाव कम होता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से स्फूर्ति आती है।

आंखों की थकान दूर करने का तरीका

आंखों को ठंडे पानी से धोएं

- आंखों की थकान दूर करने का दूसरा आसान तरीका है कि आप अपनी आंखों को ठंडे पानी से धुलें। इसके लिए फ्रिज का पानी और सामान्य पानी को आधा-आधा मिला लें। अब इस पानी से आंखों पर छींटे दें। आपको तुरंत ताजगी का अनुभव होगा।

ठंडे दूध का उपयोग

- फ्रिज में रखे हुए दूध को दो चम्मच निकाल लें। अब इस दूध में रुई को भिगोकर दोनों आंखों पर रख लें। करीब 3 से 4 मिनट के लिए रूई को आंखों पर रखने के बाद इसे हटा दें और आखों को ताजे पानी से साफ कर लें। आप एक नई ऊर्जा का संचार अपने अंदर अनुभव करेंगे।

बर्फ से सेक करें

- आंखों के नीचे की सूजन कम करने, डार्क सर्कल का असर हटाने और थकान मिटाने के लिए आप आइस क्यूब्स का उपयोग करें।
- फ्रिज से आइसक्यूब निकालें उसे हल्का-सा धुल लें। इसके बाद कॉटन के साफ रुमाल में लपेटकर आंखों की सिकाई करें। बस 2 से 3 मिनट की सिकाई काफी है और आपकी आंखों में ताजगी नजर आएगी।

'तुम्बाड' के दूसरे पार्ट में होगा आलिया भट्ट का कैमियो, तीसरे भाग में निभाएंगी लीड रोल

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टाराकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है। आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।
इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी और

इस दिन रिलीज होगी 'तुम्बाड 2'

वहीं, आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'तुम्बाड 2' पहले पार्ट की रहस्यमयी और डरावनी कहानी को आगे बढ़ाएगी। फिल्म में हस्तर की श्रापित दुनिया और उससे जुड़े खतरनाक रहस्यों को और गहराई से दिखाया जाएगा। हाल ही में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। 'तुम्बाड 2' 3 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी।

ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।
बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

'पैट्रियट' के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे फहद फासिल

मलयालम सिनेमा में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रसिद्ध मशहूर अभिनेता फहद फासिल निर्देशक सी. प्रेम कुमार की अगली फिल्म में नजर आएंगे। फहद फासिल अब मशहूर डायरेक्टर सी. प्रेम कुमार की नई फिल्म में मुख्य भूमिका में काम करेंगे। यह दोनों की साथ में पहली फिल्म है। फहद के साथ इस फिल्म में शिवदा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शिवदा को हाल ही में सूर्या की फिल्म 'कुरुप्पु' में देखा गया था। आज फहद की इस फिल्म का एक खास वीडियो एक्स पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म की पूरी यूनिट मौजूद रही। फहद को आखिरी बार फिल्म 'पैट्रियट' में देखा गया था, जिसमें ममूटी और मोहनलाल भी मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्देशन महेश नारायण ने किया था। फिल्म में कुंचाको बोबन, नयनतारा, रेवती, दर्शना राजेंद्रन और राजीव मेनन भी थे। इसका संगीत सुशिन श्याम ने तैयार किया था।

नीतू कपूर के कमबैक से खुद को जोड़ पाती हूं, महिलाओं को मिलनी चाहिए ऐसी हिम्मत

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए। अभिनव जानते हैं कि मैं अपने काम से कितना प्यार करती हूं।'

फिल्मों के चयन को लेकर सलमान खान का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

इस तरह से फिल्में चुनते हैं सलमान

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

दोस्त की घड़ियां पहनते हैं सलमान

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।

सलमान की पाइपलाइन में बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

आठ घंटे की शिफ्ट पर बोलीं श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने सिनेमा, अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' और अभिनय के शुरुआती दौर के किस्से साझा किए।

नई सोच को अगर डिफाइन करोगे तो कितना बदलाव आया है?

नई सोच में सबसे मुश्किल चीज होती है कि हमारी जो खुद की सोच होती है, उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं जो हमारी सोच को हमारी बनाती है। हम क्या फिल्मे देखते हैं। हम नाटक देखने जाते हैं या नहीं। आर्ट और कल्चर से एजुकेशन से जब हम खुद को जोड़ते हैं तो ये सब चीजें हमें बहुत प्रभावित करती हैं। मेरा बैकग्राउंड बहुत अकेडमिक है। मेरी सोच बदलती रही और यह बहुत जरूरी है। हमें अपनी सोच को पकड़कर नहीं रखना है। हमें ग्रो करना है। अनुभवों की वजह से मैं हूं। डरिए मत नई सोच से। कोई जबर्दस्ती तो नहीं कह रहा कि यही करना है आपको। एक और चीज मैं कहूंगी कि धैर्य रखिए। सुनिए और समझिए कि सामने वाला क्या कहने को कोशिश कर रहा है।

गोलू के किरदार से लाइफ कितनी बदली?

मिर्जापुर तो लव है हमारा। गोलू और मिर्जापुर अब मेरे साथ नौ साल से है। नौ साल की रिलेशनशिप बहुत सुंदर होती है। इस सफर में क्या-क्या जुड़ा? अली फजल, वो भी लखनऊ से है। मिर्जापुर की जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और पहला एपिसोड पढ़ा तो बहुत मजा आया। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा होना है। गोलू के साथ-साथ मैंने भी बहुत ग्रोथ की है।

मिर्जापुर की फिल्म भी आने वाली है?

हमारी फिल्म लंबी तो होगी। आप क्या कहानी बताना चाहते हो, कितना टाइम चाहिए उसे बताने में। हम एक्टिंग तो उतनी ही करेंगे। लेकिन, सीरीज में आप डूब सकते हो। उसका मजा अलग है। ओटीटी ने राइटर, डायरेक्टर, महिला किरदार, क्रू सदस्यों को बहुत सारे मौके दिए हैं। महिलाओं को अब सिर्फ ब्रैकेट में नहीं डाला जा रहा है। किरदार में अब नए कलर और फ्लेवर हैं।

ओटीटी ने महिलाओं को अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया है?

बदलाव आता है तो बदलाव पूरी इंडस्ट्री में आता है। यहां हम जहां तक पहुंचे हैं, इसमें बहुत सारी औरतों का तो रोल है ही, मेल एक्टर्स का भी बहुत हाथ है। पीछे से कुछ सीखने को है अगर तो वह सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। यह जिम्मेदारी दर्शकों की है। दर्शक जो देखेगा, वही बनेगा। मैं यहा सभी से रिक्वेस्ट करना चाहूंगी कि वैसा कंटेंट देखिए, जिसे आप देखना चाहते हैं।

श्वेता प्रोड्यूसर भी हैं आप। कंटेंट का आइडिया कहां से आया?

सोच की बात है। डर में नहीं रहना चाहिए। डर की वजह से हम अपने परों को काट देते हैं, जिनसे हम उड़ सकते हैं।

कई एक्ट्रेस अब आवाज उठाने लगी हैं कि आठ घंटे ही हमें काम को देने हैं। निर्माता के रूप में आप कैसे देखती हो?

बहुत सारी बातें पहले ही क्लियर कर लेनी चाहिए। अभी एक प्रोजेक्ट है, जहां कई शर्ते हैं। वैनिटी वैन नहीं होगी। फोन की इजाजात नहीं होगी तो पहले ही इन पर बात करो। प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है सब। मैं महिलाओं के केस में यह कह सकती हूं कि बहुत काम करना होता है। प्रोफेशनली भी हम जो वक्त मांग रहे हैं, वह हमारी मेंटल पीस के लिए बहुत जरूरी है। बहुत फॉर ग्रांटेड ले लिया हम लोगों को। वह टाइम का जो हम मांग रहे हैं, सोच-समझकर मांग रहे हैं।

आप थिएटर से भी कैसे जुड़ी रहीं

मैं एक्टर बनना चाहती थी, क्योंकि मैं एक्टर्स को स्टेज पर देखती थी दिल्ली में। मैं लंदन भी गई थी अपनी दोस्त के साथ। वहां हमने परफॉर्मेंस देखीं। मेरे पापा ने भी बचपन में कहा था कि जो भी पैसा या टाइम आप खर्च कर रहे हो उसे अनुभवों पर खर्च करो, क्योंकि यह जिंदगी भर साथ रहता है। सही टाइम वो होता है, जब आप किसी चीज को लेकर फैसला ले लो। मेरे माता-पिता बहुत प्रेरित करने वाले हैं। बचपन से ही मुझे बहुत प्रेरित किया गया था, डांस के लिए और ड्रामा के लिए। उन्हें ऐसा लगा होगा कि यह मेरी पर्सनैलिटी में बहुत हेल्पफुल होगा। इसके लिए मेरे पेरेंट्स का शुक्रिया। मैं भी उन चीजों को पकड़े रखी। मैं केजी से स्टेज पर रही हूं। मैं गर्मी की छुट्टियों में भी वर्क शॉप करती थी। लेकिन, ये मत भूलना कि आपने जब शुरू किया तो क्यों शुरू किया? खुद पर कोई प्रेशर मत डालो। लाइफ को एंजॉय करो।

मोहला-मानपुर के जंगल से 13 लाख का सागौन महाराष्ट्र तस्करी, डिप्टी रेंजर-बीट गार्ड सस्पेंड

68 विशाल पेड़ काटे गए, एक-एक पेड़ की कीमत 1 लाख ; ऊ्रह्ड ने लिया कड़ा एक्शन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

मोहला-मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के देववाडवी सर्किल के टाटेकसा जंगल से लाखों रुपए का सागौन काटकर महाराष्ट्र तस्करी कर दिया गया। मामला उजागर होने के बाद डीएफओ दिनेश पटेल ने डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कारर्वाई से फॉरेस्ट अमले में हड़कंप है।

13 लाख की लकड़ी पार, 68 पेड़ काटे

अंबागढ़ चौकी वन परिक्षेत्र के देववाडवी सर्किल स्थित टाटेकसा कक्ष क्रमांक 751 से तस्करों ने करीब 13 लाख मूल्य की सागौन लकड़ी महाराष्ट्र पहुंचा दी। जांच में खुलासा हुआ कि जंगल से कुल 68 पेड़ काटे गए, जिसमें 53 नग सागौन और 15 मिश्रित प्रजाति के विशालकाय पेड़ शामिल हैं। डीएफओ दिनेश पटेल ने बताया कि एक-एक पेड़ का आकलन 1 लाख रुपए किया गया है। मौके से तस्करों द्वारा छोड़े गए करीब 10 घन मीटर सागौन लकड़ी बरामद हुई है।

कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध, नहीं की कार्रवाई

22 मार्च को जंगल में आग बुझाने के दौरान लकड़ी काटने की मशीन की आवाज सुनकर डिप्टी रेंजर पुरुषोत्तम सिंह भलावी और बीट गार्ड खेमचंद देशलहरा मौके पर पहुंचे थे। चार तस्कर मोटरसाइकिल क्रमांक MH 33 H 7948 छोड़कर फरार हो गए। आरोप है कि दोनों कर्मचारियों ने वन अपराध प्रकरण दर्ज कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना नहीं दी और हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। प्रथम दृष्टया भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर दोनों को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की गई है।

जांच का दायरा बढ़ेगा

डीएफओ पटेल ने कहा कि अब तक 13 लाख की इमारती लकड़ी की तस्करी का आकलन हुआ है। जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। तस्करों को जल्द बेनकाब किया जाएगा।

खास खबर

राजनांदगांव में मेला मड़ई का भव्य आयोजन, रोज 5-7 हजार लोग पहुंच रहे सांसद संतोष पांडेय रहे मुख्य अतिर्थि

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गौरव पथ मैदान में पिछले 5 दिनों से चल रहे मेला मड़ई में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतिदिन 5 से 7 हजार लोग मेला पहुंचकर आनंद ले रहे हैं। शनिवार 23 मई को मंच पर राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर राजगामी सम्पदा न्यास के उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी, दिग्विजय कॉलेज जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अतुल रायजादा, सांसद प्रतिनिधि जीवन दीप समिति के हरीश शर्मा और देवशरण सेन उपस्थित थे।

इस आयोजन को होमन देशमुख, प्रीती गोयल, तुषार गुप्ता और आशुतोष सिंह अपनी पूरी टीम के साथ नेतृत्व दे रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि मेले में लोगों के लिए हर्ष और उल्लास का माहौल बनाया गया है। स्थानीय लोगों ने इसे राजनांदगांव के इतिहास कासफल आयोजन बताया।

युवा कांग्रेस चुनाव को लेकर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में सियासी हलचल तेज

तीन पैनल की तैयारी, विधायक-नेताओं का समर्थन; नगर निकाय चुनाव से जुड़ा समीकरण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में सियासी हलचल बढ़ गई है। चुनाव को लेकर युवाओं में भारी उत्साह और जोश देखा जा रहा है।

तीन पैनल की तैयारी जोरों पर

जिले में युवक कांग्रेस संगठनात्मक चुनाव में तीन पैनल की तैयारी चल रही है। इन पैनलों को विधायक, देवेंद्र और नवाज खान जैसे बड़े नेताओं का समर्थन प्राप्त है। दिग्गज नेता हर ब्लॉक और जिले में अपने-अपने पैनल तैयार कर चुनाव लड़ाने की रणनीति बना रहे हैं।

नगरीय निकाय चुनाव से जुड़ा गणित

खैरागढ़ नगर पालिका चुनाव इसी साल नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित है। ऐसे में युवा कांग्रेस का यह चुनाव राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। नगर पालिका चुनाव में प्रचार-प्रसार, बूथ प्रबंधन और संगठन संचालन में युवा कांग्रेस की टीम की बड़ी भूमिका रहती है। कांग्रेस संगठन चाहता है कि जिले में मजबूत संगठन क्षमता वाला, सक्रिय और प्रभावी युवा जिला अध्यक्ष चुना जाए।

एक व्यक्ति-एक पद का नियम लागू

चुनाव प्रक्रिया में एक व्यक्ति-एक पद का नियम लागू रहेगा। कोई भी उम्मीदवार सिर्फ एक पद के लिए नामांकन दाखिल कर सकेगा। नामांकन भरते ही संबंधित व्यक्ति को उसके पुराने पद से मुक्त माना जाएगा।

दिल्ली में होगा इंटरव्यू

जिला अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री जैसे अहम पदों पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका रहेगी। इन पदों के लिए दिल्ली में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने इंटरव्यू लिया जाएगा। फिलहाल दावेदारों पर नजरें टिकी हैं। आने वाले दिनों में जिले की राजनीति और गर्माने के संकेत मिल रहे हैं।

तांदुला नदी को मूल स्वरूप में लाने बड़ी कार्रवाई की गई, हटाया गया अवैध कब्जा

जेसीबी से खेतों की मेड़ें तोड़कर नदी के समानांतर समतलीकरण कार्य हुआ शुरू, लौटाया जाएगा पुराना वैभव

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

बालोद जिले की जीवनदायिनी तांदुला नदी को उसके वास्तविक और मूल स्वरूप में वापस लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम सिवनी और देउरतराई क्षेत्र में तांदुला नदी के तट पर किए गए व्यापक अवैध कब्जे को हटाने के लिए आज अलसुबह से ही भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमला मैदान में उतर चुका है।

तहसीलदार द्वारा सभी 14 चिन्हित अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे के भीतर स्वेच्छा से कब्जा हटाने का कड़ा नोटिस (अल्टीमेटम) जारी किया गया था। समय-सीमा समाप्त होते ही आज सुबह 05.30 बजे से राजस्व, पुलिस और जल संसाधन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर मलबे और अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी।

राजस्व विभाग की सघन जांच और हाईटेक ड्रोन सर्वे में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया था कि जो तांदुला नदी मूल रूप से 220 मीटर चौड़ी थी, वह अवैध कब्जों और खेती के कारण कई स्थानों पर सिकुड़कर मात्र 80 से 90 मीटर ही रह गई थी। जांच में यह भी प्रमाणित हुआ है कि अधिकांश अतिक्रमणकारी आर्थिक रूप से सक्षम हैं। उनके पास अन्य स्थानों पर स्वयं की भूमियां हैं और वे किराना दुकान, सैलून जैसे मुख्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान चलाते हैं। कुछ रसूखदारों द्वारा नदी की इस शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर इसे दूसरों को श्रेगहाश (बटाई/किराए) पर देने का मामला भी उजागर हुआ है।

प्रशासन द्वारा नदी क्षेत्र की लगभग साढ़े सात एकड़ भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए खेतों की मेड़ों को पोकलेन और जेसीबी मशीनों के माध्यम से तोड़ा जा रहा है। इन खेतों को नदी के समानांतर समतल करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। समतलीकरण पूर्ण होने के बाद इस पूरे डूब क्षेत्र में जलभराव किया जाएगा, जिससे तांदुला नदी को उसकी पुरानी जल संचय क्षमता और प्राकृतिक सौंदर्य वापस मिल सकेगा।

फसल कटते ही प्रशासन ने की त्वरित कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले भी प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी मुहिम शुरू की गई थी। उस समय खेतों में ग्रीष्मकालीन धान की खड़ी फसल होने के कारण मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कार्रवाई को अस्थाई रूप से रोक दिया गया था। अब चूंकि धान की फसल कट चुकी है, प्रशासन ने बिना वक्त गंवाए पुनः इस सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है।

मौके पर तैनात रहा आला प्रशासनिक अमला

तांदुला नदी के अस्तित्व और पर्यावरण को बचाने के लिए यह कड़ा कदम उठाना बेहद अपरिहार्य हो गया था। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी, ट्रैफिक टीआई पुलिस विभाग के अधिकारी तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी सहित तीनों विभागों के सैकड़ों कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ मौके पर मुस्तैद रहे।

डोंगरगढ़ में घर का ताला तोड़कर 60 हजार की चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा, आरोपियों से नकदी बरामद

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

डोंगरगढ़ पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घर का ताला तोड़कर 60 हजार रुपये नगद चोरी की थी।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और एसडीओपी केशरी नंदन नायक के निर्देश पर प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई। संदेह के आधार पर जेद अहमद पिता जफर अहमद, उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड-18 और पिंकू फरकुंडे पिता किशोर फरकुंडे, उम्र 19 वर्ष, निवासी राम नगर जेल रोड को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया।

घटना का विवरण

प्राथिर्या कुंती बाई पति स्व. सुरेश बाई, उम्र 65 वर्ष, निवासी भगत सिंह चौक वार्ड-19 डोंगरगढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 22 मई को वह परिवार सहित घर में ताला लगाकर बाहर गई थी। 23 मई सुबह 7 बजे लौटने पर घर का ताला और आलमारी का लॉकर टूटा मिला। अज्ञात चोर आलमारी से 60 हजार रुपये नकद ले गए थे। थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 294/2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

चोरी की रकम बरामद

आरोपियों के कब्जे से चोरी की पूरी रकम बरामद कर ली गई है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। प्रकरण के खुलासे में प्र.आर. रूपेश देवांगन, आरक्षक किशन चंद्रा, अशोक यादव और लीलाधर मंडलोई की सराहनीय भूमिका रही।

शीतला मंदिर से सोने-चांदी के जेवर और नगदी पार

धमतरी/कुरुद। जिले के पुलिस अनुविभाग कुरुद अंतर्गत आने वाले बिरेझर चौकी क्षेत्र के स्थित शीतला ग्राम मरौद में मंदिर में चोरी और तोड़फोड़ की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात असामाजिक तत्वों ने देर रात मंदिर का ताला तोड़कर माता शीतला की मूर्ति को खंडित कर दिया तथा श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित सोने-चांदी के जेवर, नगदी और छत्र चोरी कर फरार हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने खंडित मूर्ति को मंदिर परिसर से बाहर ले जाकर फेंक दिया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तब घटना की जानकारी हुई।

खनिज विभाग की कार्रवाई, अवैध उत्खनन-परिवहन में 1 जेसीबी, 6 हाईवा और 1 माजदा जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर खनिज विभाग ने जिले में अवैध खनिज उत्खनन, भंडारण और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अलग-अलग तहसीलों में की गई छापेमारी में मुरूम, चूना पत्थर गिट्टी और रेत के अवैध कारोबार में लगी 1 जेसीबी, 6 हाईवा और 1 माजदा जब्त की गई। सभी वाहनों को संबंधित थानों के सुपुर्द कर दिया गया है।

डोंगरगांव क्षेत्र में 4 वाहन जब्त

खनिज विभाग की टीम ने डोंगरगांव तहसील के बीजाभाठा, लक्ष्मणभरदा, सालिकझिटिया, डोंगरगांव, कुमरदा, अर्जुनी क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान मुरूम का अवैध उत्खनन करते खैरागढ़ निवासी किशोर पटेल की जेसीबी सीजी 08 बीए 2050 और मुरूम परिवहन करते

राजनांदगांव निवासी दुर्गेश देवांगन की हाईवा सीजी 08 एएन 4987 जब्त की गई। वहीं चूना पत्थर गिट्टी का अवैध परिवहन करते रोमील गोलछा की हाईवा सीजी 08 एबी 6714 और हरि साहू की माजदा सीजी 15 एसी 2651 को भी जब्त कर थाना डोंगरगांव को सौंपा गया।

राजनांदगांव-डोंगरगांव में 4 और हाईवा पकड़े

दूसरी कार्रवाई में टीम ने राजनांदगांव तहसील के भर्रेगांव, खुटेरी, सुरगी, इंदामारा, भानपुरी, मोहारा और डोंगरगांव के खुज्जी, मटिया, बगदई, परना, खुर्सीपार का निरीक्षण किया। रेत का अवैध परिवहन करते प्रशांत सिन्हा की हाईवा सीजी 08 एडब्ल्यू 2701 को जब्त कर थाना सुरगी भेजा गया। चूना पत्थर गिट्टी ले जा रही मूलचंद्र चंद्राकर की हाईवा सीजी 24 यू 8885 को थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया। दीपक सोनकर की हाईवा सीजी 05 एपी 3581 और बिट्टू अग्रवाल की हाईवा सीजी 08 बीए 4631 से रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर दोनों वाहनों को जब्त कर थाना तुमड़ीबोड़ को सौंपा गया। सभी प्रकरणों में खान एवं खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने बताया कि अवैध उत्खनन और परिवहन रोकने के लिए लगातार गश्त और निगरानी जारी है।

पीडब्लूडी सचिव ने किया निर्माणाधीन एनएच-130ए का निरीक्षण

कार्य में देरी पर जताई नाराजगी, संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने शुक्रवार को निर्माणाधीन पोड़ी-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130ए का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यो की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग के साथ बाईपास मार्ग का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

सचिव बंसल ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण होना चाहिए। जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण के सभी मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा प्रत्येक चरण में तकनीकी जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर निरीक्षण करें और गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करें।

फील्ड निरीक्षण से पूर्व सचिव बंसल ने सर्किट हाउस कवर्धा में लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने जिले में चल रहे भवन, सड़क एवं पुल निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं में लंबे समय से प्रगति नहीं हुई है अथवा कार्य प्रारंभ करने में अनावश्यक देरी हो रही है, उन मामलों में संबंधित एजेंसियों एवं जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

(रा.प्र.क्र. ..../अ-6 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो. अजहरुद्दीन आ./ध.प. मो. रफीक अंसारी निवासी - कोहका भिलाई द्वारा ग्राम - कुरूदा प.ह.नं. 46. रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग अंसारी भिलाई स्थित भूमि खसरा नं.198/77 रकबा 0.013 हे./1400 व. फी. भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 14/7/2025 के आधार पर से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/5/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क्र. 202605101000 अ-6 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सपना अग्रवाल पति स्व. आर. के. अग्रवाल निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 6888/2, 6888/3 रकबा 0.0068 हे. भूमि आवेदक के पति के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08.06.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

(रा.प्र.क्र. ..../अ-6 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती अरफा तबस्तुम आ./ध.प. मो. अजहरुद्दीन अंसारी निवासी - भाठापारा सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम - कुरूदा प.ह.नं. 46. रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग अंसारी भिलाई स्थित भूमि खसरा नं.198/73 रकबा 1066 व. फी. भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 24/4/2025 के आधार पर से विक्रेता पंचराम साहू आ. कृपालु साहू कीतरफ से आ. मु. दिनेश कुमार साहू/ पंचराम साहू से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/5/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202604101000071

विषय -अ-6 अ
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026

कुरूद प.ह.न. 00046 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार रुकसाना बानो,
अनावेदक पक्षकार -

-:: ईश्तहार ::-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक : रुकसाना बानो पिता/पति/विभाग- मो० अजहर पता-भिलाई द्वारा ग्राम - कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला- दुर्ग की भूमि ख.न. 763/1 का टू. रकबा 0.009 है./1000 वर्गफीट आवेदक के नाम पर दर्ज था किन्तु उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदक नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति-संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 29.05 12026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा !

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/05/2026 को जारी किया जाता है।

डिकेश्वर साहू
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

मासूम अर्जी (1)

गूड गवनर्मेंट और गूड गवर्नेंस को जानने समझने सुशासन बाबू राज्य के दौरे पर हैं। समूचे राज्य में जगह सुशासन तिहार कैंप लगे हुए हैं। एप्लीकेशन भी रोचक आ रहे हैं। जैसे कि एक अर्जी आई है जिसमें मांग है कि, विधानसभा के हर गांव में मंदहा सदन बनाया जाए। इसके पीछे अर्जी में सुझाव भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। अर्जी लगाने वाले नागरिक का कहना है कि,जगह जगह शराब का बोटल प्लास्टिक पाउच फेंकाए रहते हैं जिसमें गंदगी अव्यस्था सब है। मंदहा सदन बनेगा तो शराबी एक जगह बैठकर पी सकेंगे। अर्जी में आगे अर्ज है कि,वहाँ पर चिखना सेंटर भी खोला जाए। उससे होने वाली एक छोटा सा हिस्सा खर्च कर लेंगे तो मंदहा सदन भी साफ रहेगा,गाँव के गाँव भी परेशानी से मुक्त रहेंगे। तिस पर सरकार को शराबियों के दिल से निकली सच्ची दुआ तो खैर मिलेगी ही।

मासूम अर्जी (2)

एक इन्नोसेंट एप्लीकेशन सीएम साहब याने सुशासन सर के गृह जिले में आयोजित एक शिविर में आया है,और सबको भावुक कर दे रहा है। अर्जी में जिले के गरीब नागरिक ने बताया है कि,अंग्रेजी शराब के लिए नागरिकों को दूर जाना पड़ता है,जिससे समय पैसा तो खर्च होता ही है। मूड बनाने में भी एक्स्ट्रा टाइम लग जाता है।गरीब ने गुहार लगाई है उन सभी नागरिकों के गांव में अंग्रेजी शराब दुकान खोली जाए।सरकार गरीब नवाज है तो ग़रीबों को यकीन है कि,अर्जी पर फौरन से पेश्तर कार्यवाही होगी।

क्रोध में है साहब

उत्तर छत्तीसगढ़ से एक खबर है। वहां बॉक्साईट के अवैध कारोबार को स्टार्टअप की तरह करने के फेर में पंगा फसाद हुआ। मर्डर का चार्ज लगा और एसडीएम साहब जेल पहुँच गए।अब पुलिस ने चाजर्शीट भी कोर्ट में दाखिल कर दी। जैसे ही चाजर्शीट दाखिल हुई तो पता चला कि जिला प्रशासन ने पूरे मामले की अलग से जांच कराई थी। जांच में एसडीएम साहब को कर्तव्य परायण बताया गया और लोकल पुलिस और खनिज के डकैतों का कंप्रेमाइज्ड कनेक्शन सामने लाया गया। जांच रिपोर्ट में दामन पर दाग़ कप्तान के उपर भी गिरते दिखे। अब जब ये रिपोर्ट सार्वजनिक हुई तो कप्तान साहब जोर से बिदक गए। कुछ जाने अनजाने मीडिया माध्यमों में खबरें चिपक गई कि पुलिस,कलेक्टर समेत जांच टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सकती है। अब जबकि ऐसी खबरें स्प्रेड हुईं तो बवाल खड़ा हो गया है। जो अफसर इस बवाल में किनारे थे,वो भी ऐसी खबर के वायरल होने से जोर से बिदके हुए हैं। कप्तान साहब भावुक याने इमोशनल सोल हैं। महकमे के सीनियर अफसरों को चाहिए कि वे इमोशंस को समझते हुए साहब का एक्स्ट्रा केयर करें।

लाफिंग बुद्धा

सूबे की सियासत में एक मिनिस्टर साहब ऐसे हैं जो लाफिंग बुद्धा कहे जाते हैं। यह कहे जाने की वजह भी है कि,गोलू मोलू से हैं और हमेशा मुस्कुराते हुए नजर आते हैं। एक वजह ये भी है कि किसी का भला नहीं होता तो बुरा भी नहीं करते। बहरहाल लाफिंग बुद्धा के एक स्टेटमेंट से सरकार परेशान हो गई है। मंत्री जी याने लाफिंग बुद्धा के गृह और निर्वाचन क्षेत्र याने जिला मुख्यालय में सड़क पानी बिजली को लेकर अहम मीटिंग हुई। मीटिंग खत्म हुई तो लगा कि अब कुछ महत्वपूर्ण फैसले के बारे में पता चलेगा।कब तक सड़क बन जाएगी पता चलेगा,इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि,विरोधी कांग्रेसियों ने इन्हीं मुद्दों पर प्रदर्शन कर तीन तूफान मचाया हुआ है।लेकिन ये हुआ कि लाफिंग बुद्धा बाहर आए तो मुस्कुराते हुए उन्होंने बयान दिया-डामर का रेट बढ़ गया है तो अभी सड़क का काम नहीं हो सकता।तथ्यात्मक रुप से बात एकदम सही है। ठेकेदार काम करने को तैयार नहीं है क्योंकि डामर के रेट ने पूरा हिसाब गड़बड़ कर दिया है।लेकिन इस सत्य संभाषण से सरकार फँस गई,क्योंकि सुशासन सर हों या डिपार्टमेंट के मिनिस्टर दोनों हर बार कहते हैं कहीं कोई कमी नहीं,और सड़क का काम तो रुकेगा ही नहीं। लेकिन लाफिंग बुद्धा तो लाफिंग बुद्धा हैं। जो सच था वो बोल के अगला निकल लिया।

इट्स पॉलिटिक्स ब्रो

राजनीति में जो हो जाए सो कम है। राजनीति चकित चमत्कार जैसे शब्दों और परिभाषा से परे की शै है। अब देखिए पीसीसी चीफ बैज ने मीडिया को कहा कि,बाबा सीनियर हैं दिल्ली जाएँ,प्रदेश युवा देखेंगे। अब ये बयान जारी हुआ और मीडिया के कैमरे माईक सिंहदेव याने बाबा के सामने तन गए। सिंहदेव ने मुस्कुराते हुए प्रतिक्रिया दी कि,उन्होंने जो भी कहा हो मैं तो चाहूँगा युवा हैं सीएम बनें। सिंहदेव की बात से आग में पानी सा पड़ गया। वैसे भी सिंहदेव तैश में आक्रोश में आते नहीं है। बहरहाल जैसे ही मीडिया से उन्होंने बात खत्म की अचानक दीपक बैज का फोन आ गया। बातचीत बैज और सिंहदेव के बीच थी पर किसी मीडिया के भले मानुष के कैमरे में एंबियंस में ही रिकॉर्ड हो गया। वो वीडियो अब वायरल है और उस में सिंहदेव की ठहाके वाली प्रतिक्रिया के साथ यह बात भी है -'ना..ना..कोई बात नहीं दीपक. ! आप तो छोटे भाई हैं। चलता -कोई बात नहीं..हाँ मीडिया आई है तो..मैंने भी कहा है आप सीएम बनें..अरे अरे..कोई बात नहीं कोई भी बात ही नहीं है..चलता है.. ।' अब जो वीडियो देख लिए हैं वो मुकम्मल समझ गए हैं कि किसने किससे क्या कहा है..और जो वीडियो नहीं देख पाए हैं वो यहाँ पर जो संवाद दर्ज किया गया है उससे समझ लें कि किसने किससे क्या कहा होगा। मॉरल ऑफ स्टोरी ये है कि,सियासत में जो दिखे या कि जो बोला जाए वही ही अंतिम सत्य है यह मानने वाला बड़ा धोखा खा जाता है।

50 किलो काजू कतली

पुलिस महकमे को 'महक जाने' से बचाने की जितनी कोशिश डीजी और आईजी इंटेलिजेंस करें लेकिन महक अपना वजूद दिखा ही देती है। यह जरुर है कि अब महक कम है। लेकिन फिर भी जो सामने आ जाता है वह ही कई बार भारी पड़ जाता है। अब इसमें कई बार जलनखोरो की उड़ाई अफवाह भी होती है। जैसे कि बीते हफ़्ते दो ट्रांसपोर्टरों का मामला। अफवाह कहती है कि उद्योग नगरी के ज़िले की पुलिस दोनों को टाँग कर एक एजेंसी के पास लाई। वहां जो कुछ हुआ सो हुआ। वहीं पुलिस उन्हें वहां से वापस घर लाकर छोड़ भी गई। अब इसमें थोड़ा अटपटा सा तो है कि जिले की पुलिस क्यों टाँग कर लाई, एजेंसी तो खुद में बल्लम बहादुर है। लेकिन चलिए लाएँ और वापस घर सुपुर्द कर आए तो फिर महक क्या रहा है। महकमे में यह महक रहा है कि ट्रांसपोर्टर घर पहुंचते ही किसी अफसर के पास पहुंचा और उसे पचास किलो काजू कतली दे आया। अब ये साफ है कि,ट्रांसपोर्टर कुछ कहने से रहा। वो तो जान बची और लाखों पाए के मोड में चल रहा है। तो कंबख्त अफवाह कौन फैला रहा है। खैर अपना साफ मानना है कि,सच्चे नेकदिल और बला के इमानदार अफसरों पर कोई दाग़ या सवाल नहीं है। पचास किलो काजू कतली की अफवाह फैलाने वाले ये जानकारी रखें कि ये तो उन पवित्र पुण्यात्मा अफसरों की बात है कि गंगा मईया में अगर उतरें तो शायद गंगा मईया कहेंगी -अरे बेटा !मेरे पास कहाँ चले आए,तुम कहीं और डूबकी लगा लो।

पते की बात

बिरजू भईया याने अपने बृजमोहन भईया सुशासन तिहार के शिविरों में लगातार पहुँच रहे हैं,पहुँचना भी चाहिए आखिर वे रायपुर सांसद हैं। लेकिन खबर ये नहीं है कि बिरजू भईया समस्या समाधान शिविर में पहुँच रहे हैं। मसला ये है कि बिरजू भईया ने रायपुर शहर के जोन 5 में आयोजित ऐसे ही एक शिविर में जन समस्याओं के आवेदन के अंबार देख यह कहा -विभाग समय से और जवाबदेही से काम करेंगे तो लोगों को बार बार भटकना नहीं पड़ेगा। बिरजू भईया यहीं नहीं थमे। उन्होने आगे कहा -आप लोग ये बताओ जब जोन कार्यालय,नगर निगम और जिला कार्यालय रोज खुले रहते हैं तो सात वार्डो से हजार से अधिक शिकायतें शिविर तक क्यों पहुँच रही हैं। बिरजू भईया की बात एकदम सही थी तो जवाब क्या ही आता। लेकिन बिरजू भईया की यह बात क्या किसी एक समस्या समाधान शिविर के लिए ही थी। जो सियासत में रुचि रखते हैं वो इसकी पतंग कहीं तक भी उड़ाएँ। सहाफी तो बस यूँ ही पूछ रहा है।

वित्तीय अनुशासन के दौर में

सुशासन सरकार जनहित में अहर्निश सेवा करते हुए चकित करती ही रहती है। अब देखिए न पिछले हफ़्तों में सीएम साहब ने कारकेट घटाने के साथ सभी सरकारी गाड़ियों को एश गाड़ियों में बदलने का निर्णय लिया। कारकेट का पालन यूँ हुआ कि मंत्रियों के साथ अटैच पीआरओ और कैमरामैन ही नहीं जा पा रहे हैं,क्योंकि कमोबेश सभी मंत्री एक गाड़ी में ही चल रहे हैं। एक गाड़ी में दो पीएसओ एक पीए और खुद मंत्री जी के समाने के बाद अन्य के लिए जगह ही कहाँ है।लेकिन सतत अहर्निश सेवा में जुटी सरकार का एक और फैसला उन्ही बीते हफ़्तों में से एक दिन देश के सबसे तेज बढ़ते अखबार में दसवें नंबर पेज पर छोटे से विज्ञापन के रुप में नुमाया हुआ। यह विज्ञापन बता रहा है कि सरकार को किराए से हैलीकॉप्टर चाहिए। जानकार मानते हैं कि कम से कम 35 करोड़ का खर्चा आएगा। अब जलनखोर कह रहे हैं कि बताईए पीएम खाने के तेल कम खाओ से लेकर विदेश मत जाओ,सोना मत खरीदो और पेट्रोल डीजल के खर्च पर एकदम मितव्ययिता करने का पुरजोर आग्रह कर रहे हैं, संकेत दिए जा रहे हैं कि पैसा बचाओ,और इधर सरकार पेट्रोल से उड़ने वाला हेलीकॉप्टर किराए पर ले रही है। लेकिन अपने राम पूरी दृढ़ता से मानते हैं कि सुशासन सरकार का फैसला सही है।अब जैसे प्रधानमंत्री जी ने वित्तीय अनुशासन की बात कही और रोड शो के बाद विदेश यात्रा पर चले गए। वैसे ही सूबे की सरकार आवश्यक आवश्यकता की वजह से हैलीकाप्टर किराए पर ले रही है।पीएम विदेश क्यों गए और उससे भारत को हासिल क्या हुआ के सवाल का मतलब नहीं क्योंकि अव्वल तो सवाल होते नहीं और हो भी जाएँ तो जवाब मिलता नहीं इसलिए सुविधानुसार यह माना जाता है कि अति आवश्यक था जाना इसलिए गए। अब ये भी है कि जब गए तो मेलोडी चॉकलेट भी ले गए। वैसे ही सरकार के लिए अति आवश्यक है हेलीकॉप्टर तो किराए पर लिया जा रहा है। सो सिंपल।

सट्टा की सहकारिता और कप्तान साहब

एक ज़िले में ताबड़तोड़ सट्टा पर कार्यवाही हुई है। ज़िले के कप्तान साहब सब सटोरियों खाईवालों का अक्का-बक्का छुड़ाने के अंदाज में जुटे हुए है। लेकिन पुलिस टीम जब गोवा मुंबई से लौटी तो सट्टा सहकारिता से कप्तान का साबका हो गया। अब यूँ कप्तान खुर्राट है, लेकिन इंदिरा के दौर से सहकारिता का महत्व बढ़ा हुआ है जो आज तक निर्बाध जारी है। तो सहकारिता मॉडल पर सट्टा कैसे ना चले। अब कप्तान साहब के पास उनके फोन आ रहे हैं जो सट्टा सहकारिता के प्रभावशाली शेयरहोल्डर हैं। जाहिर हैं इसमें नेता भी हैं व्यवसायी भी और साहबान भी। हालाँकि कप्तान अनुशासित बंदा है तो मीडिया से साफ कहता है - कोई सिफारिश किसी ने नहीं की है। अपना भी यही मानना है अब कोई भी अन्नू-मन्नू हो, कप्तान भी पुष्पा मोड में है याने -झूकेगा नहीं।

लिस्ट आनी है

जिस रफ़्तार से बस्तर के मौजूदा आईजी सुंदरराज की प्रतिनियुक्ति की फाइल दौड़ रही है,उससे ऐसा लगता है कि, लंबे अरसे से टल रही पुलिस महकमे के ट्रांसफर की लिस्ट जल्द ही जारी हो जाएगी।सुंदरराज वैसे अपने गृह राज्य याने तमिलनाडु जाना चाहते हैं,या फिर साउथ के ही किसी भी राज्य में भेज दिया जाए तो भी चलेगा। वे पैरामिलट्री फोर्स में प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। सशस्त्र नक्सलवाद के कथित रुप से बैकफुट पर जाने के बाद अब केंद्र/राज्य सरकार उनके इस आवेदन पर पूरी तरह सहमत हो गई है। सुंदरराज ने बस्तर में त्रिवेणी प्लान के बाद पंचरत्न फार्मूले पर काम किया और सरकार जो चाहती थी वह पूरा किया। उसमें भी खास यह है कि,इस पूरे काम के दौरान वे फोर्स को लगातार विवादों से सफलता के साथ बचाते रहे।

आज से नौतपा शुरू, पारा 46 डिग्री पार जाने की आशंका

डॉक्टरों की सलाह : दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक घर से न निकलें

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में गर्मी का सबसे तपता दौर यानी नौतपा आज 25 मई से शुरू हो गया है। हालांकि प्रदेश में सूरज ने पहले से ही आग बरसाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर समेत कई जिलों में तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है और लोग भीषण हीटवेव की चपेट में हैं।

2 जून तक रहेगा नौतपा, 46 डिग्री तक जा सकता है पारा

ज्योतिषीय और वैज्ञानिक गणना के अनुसार 25 मई से 2 जून तक नौतपा रहेगा। सोमवार दोपहर सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर गए। अगले 9 दिन तक सूर्य की सीधी किरणें धरती पर पड़ेंगी, जिससे तापमान अपने चरम पर रहेगा। मौसम विभाग ने आने वाले 2-3 दिनों में पारा 46 डिग्री से ऊपर जाने की आशंका जताई है।

कई जिलों में हीटवेव अलर्ट

नौतपा शुरू होने से पहले ही रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और धमतरी समेत कई जिलों में पारा 44 से 45 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने इन जिलों में भीषण हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक गर्म हवाओं और उमस के कारण हालात सबसे ज्यादा खराब हो रहे हैं। सड़कों पर दोपहर में सन्नाटा पसरा रहता है।

नौतपा तपेगा तो होगी झमाझम बारिश

पारंपरिक मान्यता है कि नौतपा के 9 दिनों में जितनी कड़ाके की गर्मी और तपिश बढ़ेगी, आने वाले मानसून में उतनी ही अच्छी और झमाझम बारिश होगी।

डॉक्टरों की सलाह : लू से ऐसे बचें

भीषण गर्मी को देखते हुए डॉक्टरों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। समयः दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे के बीच बेहद जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें। पानीः शरीर में पानी की कमी न होने दें। नींबू पानी, डफ्र का घोल, आम पन्ना और मटकी का पानी लगातार पीते रहें। बचावः बाहर निकलते समय चेहरे को स्कार्फ या सूती कपड़े से ढकें, छाते का उपयोग करें। कपड़ेः ढीले और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें।

डॉक्टरों के अनुसार सिरदर्द, चक्कर, उल्टी, तेज बुखार या बेहोशी लू के लक्षण हैं। ऐसा होने पर तुरंत छांव में लिटाएं, शरीर को गीले कपड़े से पोंछें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं।

कल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में होगी कैबिनेट की बैठक, शाम 6 बजे मंत्रालय में जुटेंगे मंत्री

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंगलवार 26 मई को मंत्रालय में कैबिनेट की अहम बैठक होगी। शाम 6 बजे से होने वाली इस बैठक में सरकार प्रशासनिक, विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर चर्चा कर सकती है। राज्य में चल रहे सुशासन तिहार के बीच होने वाली यह कैबिनेट बैठक काफी अहम मानी जा रही है। बैठक में कई बड़े मुद्दों और प्रस्तावों पर मुहर लगने की संभावना है।

आज शाम दिल्ली से लौटेंगे सीएम

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज शाम नई दिल्ली से रायपुर लौटेंगे। इसके बाद मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक होगी। सरकार की ओर से फिलहाल बैठक का विस्तृत एजेंडा जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

पुलिस लिखी अवैध गाड़ियों पर सख्ती शुरू, होगी कार्रवाई

जिले में अब उन निजी वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिन पर अवैध रूप से पुलिस लिखा हुआ है। यातायात विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर टाइगर मोबाइल, हाईवे पेट्रोलिंग और ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात सभी पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को ऐसे वाहनों की लगातार जांच करने के निर्देश दिए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश उप पुलिस अधीक्षक यातायात, दुर्ग कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि कई लोग अपनी निजी गाड़ियों के आगे-पीछे या अंदर पुलिस लिखी प्लेट लगाकर घूमते हैं। इससे आम लोगों में गलत संदेश जाता है और कई बार इसका दुरुपयोग भी किया जाता है। ऐसे मामलों को अपराध की श्रेणी में माना गया है। यातायात विभाग ने साफ कहा है कि शहर में चलने वाले ऐसे सभी वाहनों की सघन चेकिंग की जाएगी। अगर कोई निजी वाहन पुलिस लिखकर उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वाहन को जब्त किया जाएगा और संबंधित थाने के माध्यम से वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि टैंगों मोबाइल टीम, हाईवे पेट्रोलिंग और विभिन्न ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात अधिकारी-कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान विशेष नजर रखें। सड़क पर संदिग्ध तरीके से चलने वाली या पुलिस लिखी निजी गाड़ियों को रोककर दस्तावेजों की जांच की जाए। अगर वाहन निजी निकला और उस पर अवैध रूप से पुलिस लिखा मिला तो तुरंत कार्रवाई की जाए।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100